आर.एन.आई. नंबर - MPHIN/2014/56594

वर्ष-11। अंक 159। मूल्य - 2 रुपए। पृष्ठ-08। नगर संस्करण

!! श्रीकृष्ण शरणंमम !!

इंदौर, रायपुर व भोपाल से एक साथ प्रकाशित

दैनिक आदित्य भारत

सदैव सत्य के साथ...

इंदौर, शुक्रवार, 13 जून, 2025

अहमदाबाद प्लेन क्रैश

सड़क पर लाशें बिखरीं

भारतीय मूल का ब्रिटिश नागरिक जिंदा बचा : बाकी 241 यात्रियों की मौत, पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी का निधन

एजेंसी ● अहमदाबाद

अहमदाबाद में गुरुवार दोपहर एअर इंडिया का बोइंग 787 ड्रीमलाइनर प्लेन क्रैश हो गया। इसमें 12 क्रू मेंबर समेत 242 लोग सवार थे। अब तक हादसे में केवल एक यात्री के जिंदा बचने की बात आई है। बाकी सभी लोगों की मौत हो गई है।

प्लेन की सीट नंबर 11-A पर बैठे हुए भारतीय मूल के ब्रिटिश नागरिक रमेश विश्वास कुमार हादसे में जिंदा बच गए हैं। उनका वीडियो भी सामने आया है। इससे पहले न्यूज एजेंसी ANI ने पुलिस कमिश्नर के हवाले से जानकारी दी थी कि एक अन्य व्यक्ति का अस्पताल में इलाज चल रहा है। थोड़े और समय पहले AP ने कहा था कि विमान में सवार सभी लोगों की मौत हो गई है।

एअर इंडिया की उड़ान संख्या AI-171 अहमदाबाद से लंदन जा रही थी। इसमें 169 भारतीय, 53 ब्रिटिश, 7 पुर्तगाली और एक कनाडाई नागरिक समेत कुल 230 यात्री सवार थे। 103 पुरुष, 114 महिलाएं, 11 बच्चे और 2 नवजात शामिल हैं। बाकी 12 क्रू मेंबर्स थे।

हादसे में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी का भी निधन हो गया है। भाजपा के राज्यसभा सांसद परिमल नाथवानी ने X पर यह जानकारी दी। हालांकि कुछ देर बाद उन्होंने अपनी पोस्ट डिलीट कर दी। प्लेन जिस बिल्डिंग से टकराया, वहां अहमदाबाद के सिविल हॉस्पिटल के डॉक्टर्स रहते हैं। जानकारी के मुताबिक हादसे के समय इमारत में 50 से 60 डॉक्टर मौजूद थे, इनमें 15 से ज्यादा घायल हो गए हैं। हादसे की जगह से मिले ज्यादातर शव इतनी बुरी तरह झुलस चुके हैं कि उनकी पहचान करने में बेहद मुश्किल आ रही है। उनकी पहचान DNA टेस्ट के बाद ही संभव होगी।

ब्रिटिश नागरिक रमेश विश्वास कुमार हादसे में जिंदा बचे।

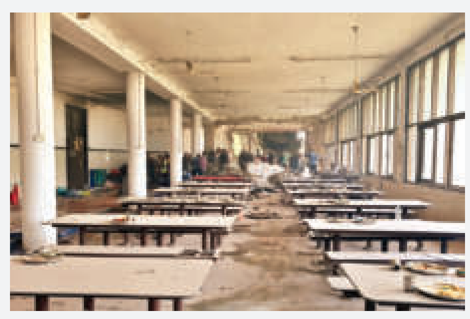

1 करोड़ रुपये देगा टाटा ग्रुप

टाटा ग्रुप ने एलान किया है कि हादसे में जान गंवाने वाले हर व्यक्ति के परिवार को 1 करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी। बता दें कि एयर इंडिया का मालिकाना हक टाटा ग्रुप के पास है। इस हादसे में 241 लोगों की मौत हो गई है।

50 घायलों का चल रहा इलाज

स्वास्थ्य प्रमुख सचिव श्री धनंजय द्विवेदी के अनुसार अहमदाबाद सिविल अस्पताल ने अहमदाबाद विमान दुर्घटना में मृतकों के परिजनों की पहचान के लिए उनके डीएनए सैंपल लेने की व्यवस्था की है। सिविल अस्पताल में 50 घायलों का इलाज किया जा रहा है। सभी मरीज स्थिर हैं। अहमदाबाद सिविल अस्पताल के कसोटी भवन में डीएनए सैंपल देने की व्यवस्था की गई है।

पीएम मोदी ने जताई चिंता

विमान हादसे पर दुख जताते हुए पीएम मोदी ने कहा,"अहमदाबाद में हुई त्रासदी ने हमें स्तब्ध और दुखी कर दिया है। यह शब्दों से परे दिल दहला देने वाली घटना है। इस दुखद घड़ी में, मेरी संवेदनाएं इससे प्रभावित सभी लोगों के साथ हैं। मैं मंत्रियों और अधिकारियों के संपर्क में हूँ जो प्रभावित लोगों की सहायता के लिए काम कर रहे हैं।"

ब्रिटेन के पीएम ने जताई चिंता

यूनाइटेड किंगडम के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर ने ट्वीट किया, "लंदन जाने वाले विमान, जिसमें कई ब्रिटिश नागरिक सवार थे, अहमदाबाद में दुर्घटनाग्रस्त हो गया है। हादसे के दृश्य विनाशकारी हैं। मुझे इस मामले से जुड़ी हर जानकारी दी जा रही है। मेरी संवेदनाएं यात्रियों और उनके परिवारों के साथ हैं।"

एअर इंडिया हेल्पलाइन नंबर: एअर इंडिया ने अहमदाबाद विमान दुर्घटना के बारे में अधिक जानकारी प्रदान करने के लिए हॉटलाइन नंबर 1800 5691 444 जारी किया है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय द्वारा भी परिचालन नियंत्रण कक्ष सक्रिय कर दिया गया है। अधिक जानकारी के लिए 011-24610843 और 9650391859 पर संपर्क कर सकते हैं।

राजा रघुवंशी की हत्या का मास्टरमाइंड राज कुशवाह

सोनम की शादी के 11 दिन पहले प्लान किया मर्डर, 14 दिन इंदौर में रही सोनम

एजेंसी ● शिलॉन्ग

इंदौर के ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी की हत्या का मास्टरमाइंड सोनम का प्रेमी राज कुशवाह है। उसने राजा और सोनम की शादी के 11 दिन पहले मर्डर का प्लान बना लिया था। यह खुलासा मेघालय पुलिस की पूछताछ में आरोपियों ने किया है।

शिलॉन्ग एसपी विवेक स्येम ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि तीन आरोपी विशाल चौहान, आकाश राजपूत और आनंद कुर्मी 19 मई को ही शिलॉन्ग पहुंच गए थे। राजा की हत्या के बाद सोनम 25 मई को इंदौर पहुंची। यहां वह 7 जून तक रही। इसके बाद राज के साथ ही गाजीपुर गई।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि बुधवार सुबह जब 11 बजे सोनम से पूछताछ की गई तो उसने खुद के साथ डकैती होने का दावा किया। लेकिन, जब पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज, कॉल रिकॉर्ड, मौका-ए-वारदात से

मिला रेनकोट, खून से सनी शर्ट जैसे सबूत दिखाए तो वो चीख-चीखकर रोने लगी।

मेघालय की डीजीपी इदाशीशा नोंग्रांग ने कहा- राजा रघुवंशी और उनकी पत्नी सोनम ने लापता होने से पहले अपना सूटकेस सोहरा के एक होम स्टे में छोड़ा था। उसमें मिले मंगलसूत्र और अंगूठी ने केस को सुलझाने में मदद की। एक विवाहिता का गहने छोड़ना हमें संदिग्ध लगा। इस हत्याकांड की साजिश इंदौर में रची गई इसलिए मेघालय पुलिस सोनम को अगले कुछ दिन में इंदौर ले जा सकती है।

हम सभी की साझी भागीदारी से ही पर्यावरण संरक्षण का संकल्प होगा पूरा : सीएम साय

संवाददाता ● रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कृषक सभागार में आयोजित फाइट अगेंस्ट ग्लोबल वार्मिंग कैंपेन कार्यक्रम में शामिल हुए।

मुख्यमंत्री साय ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षा, विकास का मूलमंत्र है और यह राष्ट्र के समग्र विकास की प्रारंभिक तथा अत्यंत महत्वपूर्ण कड़ी है। उन्होंने कहा कि निजी शिक्षण संस्थानों ने भी शिक्षा के विस्तार में अपनी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है। साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनाने का जो लक्ष्य निर्धारित किया है, उसे प्राप्त करने में हम सभी की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। राज्य सरकार ने इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए विकसित छत्तीसगढ़ का विज़न डॉक्यूमेंट तैयार किया है और इस दिशा में

फाइट अगेंस्ट ग्लोबल वार्मिंग कैंपेन में हुए शामिल

निरंतर प्रयासों को गति प्रदान की जा रही है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि 25 वर्ष का छत्तीसगढ़ आज अपनी रजत जयंती मना रहा है और इस यात्रा में राज्य ने चहुंमुखी विकास की दिशा में ऐतिहासिक उपलब्धियाँ हासिल की हैं। उन्होंने कहा कि आज छत्तीसगढ़ में आईआईटी, आईआईएम, एम्स जैसे प्रतिष्ठित केंद्रीय संस्थान कार्यरत हैं, जो राज्य के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग की गंभीर चुनौती से जूझ रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार ने वर्ष 2070 तक नेट ज़ीरो कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य तय किया है, जिसकी दिशा में देश ने तीव्र गति से कदम बढ़ाए हैं। छत्तीसगढ़ ग्रीन एनर्जी को बढ़ावा देने की दिशा में अग्रसर है। राज्य की आकर्षक नई औद्योगिक नीति के तहत केवल ऊर्जा क्षेत्र में ही तीन लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्राप्त हुए हैं। मुख्यमंत्री ने जानकारी दी कि राज्य में वृक्षारोपण का विशेष अभियान चलाया जा रहा है और विगत वर्ष चार करोड़ पौधे रोपे गए थे। राज्य सरकार 'एक पेड़ माँ के नाम' और 'पीपल फॉर पीपुल' जैसे नवाचार कार्यक्रमों को निरंतर जारी रखेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें नौनिहालों में पर्यावरण चेतना का विकास करना चाहिए, जिससे वे स्वच्छ, सुंदर और सुरक्षित भविष्य की नींव रख सकें। उन्होंने इस अभियान में भाग ले रहे सभी शिक्षकों और आयोजकों की सराहना की और कहा कि सामाजिक भागीदारी से ही हम शुद्ध हवा, निर्मल जल और स्वस्थ वातावरण सुनिश्चित कर सकते हैं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री साय ने संघ द्वारा आने वाले वर्षों में 11 लाख पीपल के वृक्षारोपण के संकल्प की सराहना की।

महारानी अहिल्याबाई होल्कर की प्रतिमा का अनावरण, कन्वेंशन सेंटर का नामकरण महारानी अहिल्याबाई होल्कर के नाम पर करने की घोषणा

नारी शिक्षा और सशक्तिकरण में अहिल्याबाई होल्कर का महत्वपूर्ण योगदान : मुख्यमंत्री साय

संवाददाता ● रायपुर

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज कोरबा जिले के प्रवास के दौरान कन्वेंशन सेंटर में लोकमाता महारानी अहिल्याबाई होल्कर की प्रतिमा का लोकार्पण किया और कन्वेंशन सेंटर को महारानी के नाम पर करने की घोषणा की। इस अवसर पर उन्होंने जिलेवासियों को लगभग 223 करोड़ 88 लाख रूपए से अधिक लागत के 66 विभिन्न विकास कार्यों की सौगात दी। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि इंदौर की महारानी अहिल्याबाई होल्कर प्रजावत्सल और न्यायप्रिय शासक थी। उन्होंने महिलाओं की शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किए, नारी सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के साथ ही उन्होंने देश के महत्वपूर्ण तीर्थस्थलों, धार्मिक स्थलों को

संवारा और नई पहचान दिलाई। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कन्वेन्शन सेंटर को वातानुकूलित बनाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि वे छः माह पहले भी कोरबा आये थे, इस दौरान भी 600 करोड़ रूपए से अधिक की राशि के विभिन्न विकास कार्यों की सौगातें दी गई। आज सवा दो सौ करोड़ के विकास कार्यों की सौगात से कोरबा जिले के लोगों को लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने ऐलुमिनियम पार्क की स्थापना के लिए आवश्यक पहल करने की बात कही। उन्होंने एक पेड़ माँ के नाम के तहत कन्वेन्शन सेंटर परिसर में सिंदूर का पौधा भी लगाया। उन्होंने लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की जीवनी पर आधारित छायाचित्र प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। कार्यक्रम को उपमुख्यमंत्री श्री अरूण साव और उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन भी ने सम्बोधित किया।

लोकार्पण एवं शिलान्यास

मुख्यमंत्री श्री साय द्वारा लोकार्पित किए गए कार्यों में मुख्य रूप से जल जीवन मिशन के अंतर्गत 11 गांवों में एकल ग्राम नल-जल योजना, 3 गांवों में नवीन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भवन, स्वामी आत्मानंद हिन्दी माध्यम विद्यालय नवीन भवन/जीर्णोद्धार कार्य, और 47 छात्रावासों-आश्रमों में 2.4 किलोवाट क्षमता का सोलर पावर प्लांट स्थापना कार्य शामिल हैं। इसी प्रकार भूमि पूजन के प्रमुख कार्यों में नगर पालिक निगम कोरबा हेतु 100 टीपीडी सालिड वेस्ट मैनेजमेंट प्रोजेक्ट, प्रधानमंत्री ई-बस सेवा अंतर्गत सिटी बस डिपो-टर्मिनल कॉपलेक्स, 100 बेड हॉस्पिटल में एसएनसीयू हॉल, प्रशिक्षण हॉल सहित अन्य निर्माण कार्य, अयोध्यापुरी तालाब में जल संवर्धन कार्य एवं जिला खनिज संस्थान न्यास मद तथा 15 वें वित्त आयोग के विभिन्न कार्य शामिल हैं।

प्लेन क्रैश में मृत लोगों के प्रति जताई संवेदना

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने गुजरात से लंदन जा रहे प्लेन के क्रैश होने की घटना में मृतकों को श्रद्धांजलि देते हुए उनके प्रति गहरी संवेदना प्रकट की।

शॉर्ट न्यूज

लव जिहाद : पहचान छिपा कर युवती से दोस्ती कर दुष्कर्म

इंदौर। कनाड़िया इलाके में एक युवती से नकली पहचान के जरिये दोस्ती करने के बाद दुष्कर्म और फिर जबरन धर्म परिवर्तन के लिए दबाव डालने वाले आरोपी को हिंदूवादी कार्यकर्ताओं ने पकड़कर पिटाई कर डाली और उसे पुलिस के हवाले किया हैं। कनाड़िया थाना पुलिस ने 25 वर्षीय युवती की शिकायत पर मुकेश उर्फ यूसुफ पिता अय्यूब खान निवासी खजराना के खिलाफ दुष्कर्म सहित अन्य धाराओं में केस दर्ज किया हैं। बताते है कि आरोपी ने पीड़िता से मुकेश बनकर दोस्ती की और फिर उससे शारीरिक संबंध बनाता रहा। कुछ दिन पहले फ्लैट में शराब पार्टी के दौरान युवती को यूसुफ पर तब शक हुआ, जब उसका एक दोस्त उसे साहिल कहकर बुला रहा था। संदेह होने पर युवती ने उसका पर्स चुपके से देखा, जिसमें यूसुफ खान नाम की आईडी मिली।

युवक ने डरा धमकाकर किया युवती के साथ दुष्कर्म

इंदौर। विजय नगर थाना क्षेत्र के एक होटल में महिला के साथ दुष्कर्म किए जाने की घटना हुई। आरोपी ने ब्लैकमेल कर पीड़िता से रुपए भी वसूल लिए। पीड़िता की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 28 वर्षीय पीड़िता की रिपोर्ट पर वैभव पिता धनंजय चौहान निवासी यमुनानगर मलकपुर अकोला के खिलाफ रेप सहित अन्य धाराओं में पुलिस विजय नगर ने केस दर्ज किया है। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि आरोपी ने विजय नगर स्थित एक होटल में जबरदस्ती शारीरिक संबंध बनाए। उसके अश्लील फोटो और वीडियो भी बना लिए और उसके आधार पर ब्लैकमेल कर रुपए वसूल लिए। पीड़िता ने शादी का दबाव बनाया तो आरोपी ने कहा कि मैं पहले से ही शादीशुदा हूं।

खेती-बाड़ी दिखाने ले गया, विवाद के बाद घर आकर पत्नी को पीटा

इंदौर। कनाड़िया इलाके में आरोपी ने देवास क्षेत्र के एक होटल में दूसरी औरत से हुए विवाद के बाद वापस आने के पर पत्नी को जमकर पीट दिया। पत्नी ने घर आकर उसे ये कहा था कि जब होटल में दूसरी औरत से विवाद किया तो तुमने उसे समझाया क्यों नहीं। पुलिस के मुताबिक घटना फोनिक्स कॉलोनी देवास-नाका इलाके में रहने वाली निशा पति तूफान सिंह तंवर के साथ विश्वास होटल के ऊपर ग्राम कनाड़िया में हुई। उसकी रिपोर्ट पर आरोपी तूफान सिंह पिता सवाई सिंह तंवर हाल मुकाम ग्राम कनेरिया जिला देवास के खिलाफ केस दर्ज किया गया। वहां मेरा और मेरे पति की दूसरी औरत का विवाद हो गया था। मैं उसी दिन अपने पति के साथ वापस इंदौर आ गई थी।

आईसीआईसीआई बैंक ने शहर में कैंसर देखभाल सुविधा का विस्तार करने के लिए टाटा मेमोरियल सेंटर को 550 करोड़ से अधिक की राशि देने की प्रतिबद्धता जताई

विशाखापट्टनम में उन्नत कैंसर केयर ब्लॉक की आधारशिला रखी

संवाददाता ● विशाखापट्टनम

घोषणा

आईसीआईसीआई बैंक ने टाटा मेमोरियल सेंटर के साथ साझेदारी में आज विशाखापट्टनम, आंध्र प्रदेश स्थित होमी भाभा कैंसर अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र (HBCHRC) में एक नए भवन के निर्माण की शुरुआत की घोषणा की। बैंक ने लगभग 3.9 लाख वर्गफुट क्षेत्र में अत्याधुनिक चिकित्सा तकनीक से युक्त भवन के निर्माण के लिए 550 करोड़ से अधिक की राशि समर्पित की है।

निर्माणाधीन आठ मंजिला भवन — आईसीआईसीआई फाउंडेशन ब्लॉक फॉर चाइल्ड एंड ब्लड कैंसर — प्रति वर्ष लगभग 3,000 मरीजों का उपचार करेगा। वर्तमान में एचबीसीएचआरसी, विशाखापट्टनम की क्षमता 6,200 मरीजों की है।

यह नया भवन पूर्वी भारत के सबसे बड़े विशेषीकृत कैंसर उपचार केंद्रों में से एक होगा, जिसमें 215 से अधिक बेड होंगे। इसके 2027 तक पूर्ण होने की संभावना है, जो अनुमोदनों के अधीन है। इस परियोजना का संचालन आईसीआईसीआई बैंक की सीएसआर शाखा, आईसीआईसीआई फाउंडेशन फॉर इनक्लूसिव ग्रोथ द्वारा किया जाएगा।

इस भवन की आधारशिला आईसीआईसीआई बैंक के चेयरमैन श्री प्रदीप कुमार सिन्हा ने रखी। इस अवसर पर श्री संदीप बत्रा, कार्यकारी निदेशक, आईसीआईसीआई बैंक; और डॉ. सुदीप गुप्ता, निदेशक, टाटा मेमोरियल सेंटर, मुंबई भी उपस्थित थे। सिन्हा ने अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में एन.के. राव ऑडिटोरियम का भी उद्घाटन किया। आईसीआईसीआई फाउंडेशन ने नए ऑडिटोरियम के लिए बुनियादी ढांचे और उपकरणों के साथ टीएमसी को सपोर्ट दिया है।

आईसीआईसीआई बैंक के चेयरमैन श्री प्रदीप कुमार सिन्हा ने कहा, 'हमें कैंसर देखभाल के लिए टीएमसी के साथ साझेदारी करने पर गर्व है, जो देश में महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सेवा बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की हमारी फिलोस्फी के अनुरूप है। यह परियोजना जरूरतमंद व्यक्तियों के लिए सुलभ और उच्च गुणवत्ता वाली चिकित्सा देखभाल को सक्षम करने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। यह प्रोजेक्ट बाल और रक्त कैंसर के लिए पूर्वी गलियारे में सबसे बड़े प्रोजेक्ट में से एक है। इसके जरिये आंध्र प्रदेश और आसपास के पूर्वी राज्यों के रोगियों की सेवा की जाएगी, जिससे कैंसर के इलाज की बढ़ती जरूरत को पूरा करने में मदद मिलेगी।' इस अवसर पर, आईसीआईसीआई बैंक के कार्यकारी निदेशक श्री संदीप बत्रा ने कहा, "आईसीआईसीआई बैंक में, स्वास्थ्य सेवा हमारे सीएसआर प्रयासों का एक प्रमुख हिस्सा है। दो वर्ष पूर्व हमने टाटा मेमोरियल सेंटर के साथ साझेदारी कर 1,200 करोड़ की प्रतिबद्धता के साथ विशाखापट्टनम, नवी मुंबई और न्यू चंडीगढ़ में तीन नए कैंसर ब्लॉक्स के निर्माण की घोषणा की थी।

टीएमसी की नवीनतम आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए अब हमने इस प्रतिबद्धता को 1,800 करोड़ तक बढ़ा दिया है। ये ब्लॉक कुल मिलाकर 10.7 लाख वर्गफुट क्षेत्र में फैले होंगे, जिनमें अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाएं और अनुसंधान इकाइयाँ होंगी। इनमें 19 LINACs और 555 बेड होंगे। पूर्ण रूप से कार्यशील होने के पश्चात ये क्षेत्रीय केंद्र के रूप में कार्य करेंगे।" डॉ. उमेश महंतशेट्टी, निदेशक, होमी भाभा कैंसर अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र, विशाखापत्तनम ने कहाः "हम आईसीआईसीआई फाउंडेशन के इस उदार योगदान के लिए हार्दिक आभार प्रकट करते हैं। यह सहयोग विशाखापत्तनम क्षेत्र में पीडियाट्रिक और हेमेटोलिम्फोइड कैंसर के उपचार और अनुसंधान को एक नई दिशा देगा।

आईसीआईसीआई फाउंडेशन के साथ हमारी यह साझेदारी यह दर्शाती है कि जब संस्थान एकजुट होकर कार्य करते हैं, तो हम न केवल अत्याधुनिक उपचार उपलब्ध करा सकते हैं, बल्कि देशभर में कैंसर मरीजों के जीवन स्तर को भी बेहतर बना सकते हैं।" टाटा मेमोरियल हॉस्पिटल, मुंबई के पीडियाट्रिक ऑन्कोलॉजी के प्रोफेसर और हैड डॉ. गिरीश चिन्नास्वामी ने कहा, 'पीडियाट्रिक और हेमेटोलिम्फोइड कैंसर के इलाज के लिए खास विशेषज्ञता की आवश्यकता होती है — जिसमें सटीक निदान, मूल्यांकन, उपचार, सहयोगी सेवाएं जैसे ब्लड सेंटर, पोषण, पुनर्वास आदि शामिल हैं। होमी भाभा कैंसर अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र, विशाखापत्तनम में पिछले तीन वर्षों से हर साल लगभग 200 नए पीडियाट्रिक कैंसर और 350–400 हेमेटोलिम्फॉइड कैंसर रोगी पंजीकृत किए जा रहे हैं। इस नए ब्लॉक के जुड़ने से हम अपनी मौजूदा सेवाओं को काफी हद तक विस्तारित कर सकेंगे — जिसमें ब्लड मैरो ट्रांसप्लांट कार्यक्रम का विस्तार और इम्यूनोथेरेपी की शुरुआत भी शामिल है। यह सुविधा इस क्षेत्र के मरीजों से जुड़े अनुसंधान कार्यों के लिए भी अनेक अवसर प्रदान करेगी।" विशाखापत्तनम अस्पताल के लिए ICICI बैंक की 550 करोड़ की प्रतिबद्धता 1,800 करोड़ के विस्तारित योगदान का एक हिस्सा है।

ब्लड कैंसर ब्लॉक व्यापक उपचार विकल्प प्रदान करेगा

- गहन कीमोथेरेपी, बोन मैरो ट्रांसप्लांटेशन और उन्नत रेडिएशन थेरेपी
- CAR-T सेल थेरेपी जैसी आधुनिक इम्यूनोथेरेपी तकनीक
- LINAC, MRI CVT-PET स्कैन सहित उन्नत चिकित्सा इमेजिंग और डायग्नोस्टिक्स
- 14 बोन मैरो ट्रांसप्लांट रूम, 14 ICU और 5 ऑपरेशन थिएटर
- अनुसंधान प्रयोगशालाएं एवं उपचार योजना और प्रशिक्षण के लिए संयुक्त चर्चा सुविधाएं
- LINAC (लीनियर एक्सेलरेटर) कैंसर कोशिकाओं पर सटीकता के साथ विकिरण को लक्षित करते हैं, जिससे आस-पास के स्वस्थ ऊतक बच जाते हैं।

विद्युत उपभोक्ता विद्युत व्यवधानों से मुक्ति पाएं, स्वैच्छिक भार (लोड) वृद्धि स्वीकृत करवायें

संवाददाता ● भोपाल

अभियान

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा कंपनी कार्यक्षेत्र के अंतर्गत विद्युत उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे अपने परिसर के वास्तविक विद्युत भार के अनुरूप अपने कनेक्शन की भार वृद्धि स्वेच्छा से स्वीकृत कराना सुनिश्चित करा लें। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा विद्युत भार की वृद्धि स्वेच्छा से कराने के लिए उपभोक्ताओं को जागरूक करने का अभियान इन दिनों चलाया जा रहा है। कंपनी ने बताया है कि उपभोक्ता कंपनी के पोर्टल पर स्वैच्छिक ऑनलाइन आवेदन कर भार वृद्धि करा सकते हैं।

गौरतलब है कि है कि विद्युत उपभोक्ता कंपनी द्वारा स्वीकृत विद्युत भार से अधिक भार का उपयोग करते हैं जिससे कम्पनी की विद्युत अधोसंरचना अतिभारित हो जाती है जो कि अनावश्यक रूप से विद्युत व्यवधानों का कारण बनती है। अतः सभी उपभोक्ताओं से अनुरोध है कि वे स्वेच्छा से अपने विद्युत भार की वृद्धि करा लें जिससे कम्पनी द्वारा भार अनुरूप उपयुक्त विद्युत अधोसंरचना का विकास कर बेहतर एवं निर्बाध विद्युत प्रदाय सुनिश्चित किया जा सके। भार वृद्धि सेवा कंपनी की वेबसाइट mpcz.co.in पर उपलब्ध सरल संयोजन पोर्टल से भार वृद्धि हेतु निर्धारित शुल्क का भुगतान कर ऑनलाइन प्राप्त की जा सकती है। यद्यपि घरेलू उपभोक्ताओं की भार वृद्धि से उनके मासिक देयक में कोई अंतर नहीं आएगा। यहां उल्लेखनीय है कि उपभोक्ता परिसर के चेकिंग के दौरान स्वीकृत से अधिक भार पाए जाने पर नियमानुसार पैनल बिलिंग के साथ विद्युत विच्छेदन की कार्यवाही भी की जा सकती है।

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने बताया है कि बिजली कंपनी में नवीन कनेक्शन के लिए जब कोई व्यक्ति अधिकृत आवेदन देता है तो उसके परिसर में भार (लोड) की गणना कर भार निर्धारित किया जाता है। इस प्रक्रिया में नया कनेक्शन देने के लिए बिजली कर्मचारी परिसर का लोड सर्वे करते हैं। यह भार (लोड) विद्युत प्रणाली में जोड़ा जाता है इसलिए इसे संयोजित भार या कनेक्टेड लोड कहा जाता है। कनेक्शन के दौरान उपभोक्ता को बिजली कंपनी के साथ सहयोग कर भार की सही गणना कराना चाहिए ताकि विद्युत प्रणाली सुचारू रूप से संचालित की जा सके। उपभोक्ता द्वारा परिसर में कनेक्शन लेने के कुछ अन्तराल बाद कुछ नये विद्युत उपकरणों को स्थापित कर भार बढ़ा लिया जाता है। यह बढ़ा भार बिजली कंपनी के कार्यालय में यदि स्वीकृत नहीं कराया जाता है तो कम्पनी की विद्युत अधोसंरचना अतिभारित हो जाती है जो कि अनावश्यक रूप से विद्युत व्यवधानों का कारण बनती है।

टर्म इंश्योरेंस : समय सीमा से अधिक मायने रखती है सही टाइमिंग

मुंबई। टर्म इंश्योरेंस को आज भी वित्तीय सुरक्षा की सबसे सरल और असरदार नींव माना जाता है। इसमें न बोनस होता है, न निवेश पर रिटर्न—बस एक सीधा और स्पष्ट वादा होता है: अगर पॉलिसी अवधि के दौरान बीमाधारक की मृत्यु होती है, तो उसके परिवार को एकमुश्त राशि मिलेगी। लेकिन अब सवाल सिर्फ यह नहीं रह गया है कि टर्म इंश्योरेंस होना चाहिए या नहीं, बल्कि यह भी महत्वपूर्ण हो गया है कि इसे कब तक रखा जाए। इस संदर्भ में टाटा एआईए लाइफ इंश्योरेंस के चीफ डिस्ट्रीब्यूशन ऑफिसर - अल्टरनेट और इमर्जिंग चैनल्स, जिलानी बाशा ने कहा, "आज के उपभोक्ता टर्म इंश्योरेंस को लेकर अधिक जागरूक और विचारशील हैं। वे अब सामान्य दृष्टिकोण से हटकर, अपनी व्यक्तिगत जरूरतों और जिम्मेदारियों के अनुरूप फैसले ले रहे हैं। वे पूछ रहे हैं कि कवरेज की सही अवधि क्या है, क्यों जरूरी है और किस समय सबसे ज्यादा प्रासंगिक है। यह सोच एक सकारात्मक बदलाव का संकेत है, जहां बीमा अब सिर्फ एक उत्पाद नहीं, बल्कि जीवनशैली का हिस्सा बनता जा रहा है। उन्होंने आगे जोड़ा, "लोग अब ऐसे समाधानों की तलाश कर रहे हैं जो न केवल वर्तमान में प्रासंगिक हों, बल्कि भविष्य के जोखिमों से भी सुरक्षा दें। बीमाकर्ता के रूप में हमारी भूमिका अब केवल उत्पाद बेचने तक सीमित नहीं रही, बल्कि सही जानकारी और मार्गदर्शन देना भी उतना ही जरूरी है।" टर्म इंश्योरेंस का मूल्य इसकी 'लाइफटाइम कवरेज' में नहीं, बल्कि उस 'समयबद्ध सुरक्षा' में है जब परिवार को आपकी आमदनी पर सबसे ज्यादा निर्भरता होती है। सोच-समझकर किया गया चुनाव ही इसे एक स्मार्ट वित्तीय योजना बनाता है।

सौर ऊर्जा फेडरेशन ने सरकार से संचरण शुल्क छूट को बढ़ाने का आग्रह किया

संवाददाता ● मुंबई

आग्रह

सौर ऊर्जा फेडरेशन ने सरकार से अनुरोध किया है कि वह उन अनेक नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं की व्यवहार्यता को सुरक्षित रखे, जो डेवलपर्स के नियंत्रण से परे देरी के कारण जोखिम में हैं। फेडरेशन ने प्रधानमंत्री कार्यालय के सलाहकार को लिखे पत्र में आग्रह किया कि अंतर-राज्यीय संचरण प्रणाली (आईएसटीएस) शुल्क छूट को उन परियोजनाओं के लिए जून 2026 तक बढ़ाया जाए, जो कनेक्टिविटी आवेदन स्थिति, वित्तीय समापन, 50 प्रतिशत से अधिक भूमि अधिग्रहण, और उपकरणों के ऑर्डर जैसे विशिष्ट मानदंडों को पूरा करती हैं।

सौर मूल्य श्रृंखला के हितधारकों का प्रतिनिधित्व करने वाले फेडरेशन ने कहा कि बिजली मंत्रालय (MoP) द्वारा घोषित आईएसटीएस शुल्क छूट ने नवीकरणीय ऊर्जा को अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, लेकिन केंद्रीय विद्युत नियामक आयोग (सीईआरसी) द्वारा फरवरी 2023 में इसके विलंबित कार्यान्वयन ने कई डेवलपर्स को अनिश्चितता में डाल दिया। आईएसटीएस शुल्क वे शुल्क हैं जो राज्यों के बीच बिजली स्थानांतरित करने के लिए संचरण बुनियादी ढांचे के उपयोग के लिए लगाए जाते हैं। ये शुल्क संचरण लाइनों और अन्य बुनियादी ढांचे के निर्माण व रखरखाव की लागत को कवर करते हैं। एक ऊर्जा विशेषज्ञ के अनुसार, उद्योग अनुमानों से पता चलता है कि यदि आईएसटीएस शुल्क छूट को नहीं बढ़ाया गया, तो लगभग 5 लाख करोड़ रुपये की नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाएं प्रभावित होंगी।

फेडरेशन ने कहा, 'कई नवीकरणीय ऊर्जा डेवलपर्स ने MoP की मूल अधिसूचना के आधार पर शुरुआती निवेश किए, भूमि सुरक्षित की, वित्तीय समापन हासिल किया, और निश्चित समझौतों पर हस्ताक्षर किए।' हालांकि, सीईआरसी की पुष्टि में लगभग दो साल की देरी और अन्य अनियंत्रित कारकों के कारण, ये डेवलपर्स अब 30 जून, 2025 की कमीशनिंग समय सीमा चूकने के जोखिम में हैं, जिससे वे छूट के लिए अयोग्य हो जाएंगे। फेडरेशन ने कई मुद्दों को रेखांकित किया, जिनमें ग्रेट इंडियन बस्टर्ड संरक्षण पर सुप्रीम कोर्ट के एक मामले के कारण विद्युत अधिनियम की धारा 68(1) के तहत लंबित अनुमोदन, संचरण योजना और कनेक्टिविटी प्रभावशीलता में देरी, और महत्वपूर्ण संचरण बुनियादी ढांचे के कमीशनिंग में विलंब शामिल हैं।

फेडरेशन ने कहा, 'कई डेवलपर्स ने आईएसटीएस छूट नीति की समयसीमा के अनुरूप जून 2023 से पहले ही आईएसटीएस कनेक्टिविटी के लिए आवेदन कर दिया था। हालांकि, ट्रांसमिशन सिस्टम की योजना और निष्पादन में देरी के कारण दी गई कनेक्टिविटी के लिए प्रभावशीलता की तारीखें बहुत बाद में, अक्सर 2026 या 2027 में जारी की जा रही हैं।'' फेडरेशन ने छूट के लिए एक माइलस्टोन-आधारित पात्रता ढांचे का प्रस्ताव दिया है। इसने सिफारिश की कि जिन परियोजनाओं ने 30 जून, 2023 तक संचरण कनेक्टिविटी के लिए आवेदन किया, वित्तीय समापन हासिल किया, अपनी विकास के लिए आवश्यक भूमि का कम से कम 50 प्रतिशत अधिग्रहण किया, और पवन टरबाइन जनरेटर और/या इनवर्टर के लिए ऑर्डर दिए, उन्हें आईएसटीएस छूट का लाभ उठाने के लिए विचार किया जाना चाहिए।

एसबीआई : एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत वृक्षारोपण किया

संवाददाता ● भोपाल

अभियान

एसबीआई लेडीज क्लब भोपाल मंडल पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य देखभाल, स्वच्छता कार्यक्रम, निराश्रित और वंचितों को सहायता एवं गरीब बच्चों को पढ़ाई में आर्थिक सहयोग उपलब्ध कराने में हमेशा तत्पर रहती है। जंबूरी मैदान स्थित एसबीआई ऑक्सीजन बैंक जिसे एसबीआई द्वारा सीएसआर फंड के माध्यम से विकसित किया गया है, वहां आज पर्यावरण को संरक्षित करने के उद्देश्य से एसबीआई लेडीज क्लब की अध्यक्ष श्रीमती गीतू शेखर शर्मा के नेतृत्व में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत सघन वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस अवसर पर अध्यक्ष श्रीमती शर्मा ने अपने उद्बोधन में कहा कि जल, जंगल, जमीन और जानवरों की सुरक्षा से ही पर्यावरण संरक्षण संभव है, आज मानव जाति एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है जहां प्रकृति के साथ-साथ मन के प्रदूषण को भी खत्म करने की आवश्यकता है। इस अवसर पर उन्होंने सभी से अपनी-अपने जन्मदिन पर एक पेड़ जरूर लगाने का आवाह्न किया। कार्यक्रम के प्रारंभ में एसबीआई ऑक्सीजन बैंक के संचालक वन विशेषज्ञ डॉ पंकज भारती ने क्लब के सभी सदस्यों को जापानी पद्धति मियांवाकी से दो वर्ष पहले लगाये गये वृक्षों की प्रगति और प्रकृति के बारे में जानकारी देते हुए आक्सीजन बैंक स्थल का भ्रमण कराया, जिसकी क्लब के सभी सदस्यों ने भूरी भूरी प्रशंसा की। कार्यक्रम में श्रीमती अर्चना कुंदन श्रीमती कुमकुम कुमार एवं श्रीमती सुजाता कानून को सहित क्लब की अन्य सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

कलांजलि ने मनाया अपना 26वां कलोत्सव

संवाददाता ● भोपाल

शास्त्रीय और लोक कलाओं का भव्य संगम

भारतीय शास्त्रीय कलाओं के प्रचार-प्रसार और संरक्षण के लिए समर्पित प्रतिष्ठित संस्था कलांजलि ने रवींद्र भवन सभागार में 26वां कलांजलि कलोत्सव का आयोजन गुरुवार, 12 जून 2025 को अत्यंत भव्यता और गरिमा के साथ किया। यह सांस्कृतिक महोत्सव 90 से अधिक कलाकारों की सहभागिता के साथ भारत की समृद्ध और विविध शास्त्रीय एवं लोक कलाओं का जीवंत प्रदर्शन बना। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे डॉ. विनय शदंगी राजाराम, संस्थापक — सप्तवर्णी कला साहित्यसृजन शोधपीठ, भोपाल, और विशिष्ट अतिथि के रूप में पधारे श्री सुनील शुक्ला, विख्यात फिल्म निर्माता एवं कला संरक्षक।

इस वर्ष का प्रारंभ एक अत्यंत भावपूर्ण क्षण के साथ हुआ, जब 29 भरतनाट्यम विद्यार्थियों का रंगप्रवेश (प्रथम मंच प्रस्तुति) सम्पन्न हुआ। इस अवसर को और भी विशेष बनाया एक माँ-बेटी की जोड़ी ने, जिन्होंने साथ में मंच पर प्रथम बार पदार्पण किया — यह दृश्य दर्शकों के लिए अत्यंत भावनात्मक और अद्वितीय रहा। कार्यक्रम की शुरुआत इन विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों के मंच परिचय से हुई, जिसके पश्चात परंपरागत दीप प्रज्वलन संपन्न हुआ। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की शुरुआत 8 मोहिनीअट्टम नर्तकियों द्वारा प्रस्तुत गणपति वंदना से हुई। इसके पश्चात रंगप्रवेश कर रही छात्राओं ने पुष्पांजलि और आलारिपु प्रस्तुत कर अपनी साधना और अनुशासन का परिचय दिया। विशेष आकर्षण रही दशावतार की प्रस्तुति, जिसे गुरु श्री प्रदीप कृष्णन ने कोरियोग्राफ किया था। 16 नर्तकों ने जयदेव की काव्य रचना पर भगवान विष्णु के दस अवतारों को प्रभावशाली रूप से साकार कियाइसके बाद, 15 भरतनाट्यम विद्यार्थियों ने जतिस्वरम की प्रस्तुति दी और फिर शब्दम प्रस्तुत किया, जो भगवान श्रीकृष्ण को समर्पित एक भक्ति नृत्य था। आध्यात्मिक वातावरण को और प्रगाढ़ किया नवदुर्गा स्तोत्रम् ने, जिसमें गुरु श्री प्रदीप कृष्णन के पुत्र कु. प्रणव प्रदीप द्वारा कोरियोग्राफ की गई नवदुर्गा के नौ रूपों की नाट्य अभिव्यक्ति अत्यंत प्रभावशाली रही। संगीत खंड में तीन विद्यार्थियों ने 'रारवेनु' और 'पाहिमाम श्री कीर्तनम्' की भावपूर्ण प्रस्तुति दी। इसके पश्चात कु. पर्वतीश प्रदीप ने श्री स्वाति तिरुनाल को समर्पित एकल गायन से दर्शकों को भावविभोर किया और कर्नाटिक संगीत की परंपरा को श्रद्धांजलि दी। इसके बाद, श्री अजय एन के निर्देशन में प्रस्तुत उत्तराखंड का पारंपरिक 'कुमाऊं' लोकनृत्य क्षेत्रीय रंग और ऊर्जा से भरपूर रहा, जिसमें 20 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। कार्यक्रम का भव्य समापन हुआ 'वसुधैव कुटुंबकम्' नामक प्रस्तुति से, जो मानवता की एकता का प्रतीक थी।

एजेस फ़ेडरल लाइफ़ इंश्योरेंस ने वित्त वर्ष 2024-25 की तुलना में 31% की बढ़ोतरी हुई

176.32 करोड़ का रिकॉर्ड बोनस घोषित किया

संवाददाता ● मुंबई

घोषणा

भारत में निजी क्षेत्र की प्रमुख जीवन बीमा कंपनियों में से एक, एजेस फ़ेडरल लाइफ़ इंश्योरेंस ने आज वित्त वर्ष 2024-25 के लिए वार्षिक मूल्यांकन के दौरान अपने अब तक के सबसे अधिक बोनस की घोषणा की, जो कुल मिलाकर 176.32 करोड़ रुपये है। इसके साथ ही कंपनी ने लगातार 11वें साल बोनस की घोषणा की है। ये बड़ी उपलब्धि हासिल की है, जो पिछले वित्त-वर्ष के 134.44 करोड़ रुपये के कुल बोनस की तुलना में 31% की शानदार बढ़ोतरी को दर्शाता है। 176.32 करोड़ रुपये के कुल बोनस में से, योग्य पॉलिसी धारकों को नकद बोनस तथा मैच्योरिटी बोनस के तौर पर 53.43 करोड़ रुपये दिए जाएंगे, जबकि शेष राशि का भुगतान वित्त-वर्ष 2025-26 के दौरान पॉलिसी की मैच्योरिटी, सरेंडर या समय से पहले मृत्यु पर किया जाएगा।

इन बोनस में रिवर्सनरी, कैश और टर्मिनल बोनस शामिल हैं, जो पारंपरिक और आधुनिक दोनों तरह की सहभागिता वाली योजनाओं की एक बड़ी श्रृंखला में प्रदान किए जाते हैं।

वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए लोकप्रिय सुपर कैश प्लान के तहत कैश बोनस को सभी प्रीमियम भुगतान अवधियों में 0.10% बढ़ाया गया है। ग्राहकों को पॉलिसी अवधि के दौरान नकदी की बेहतर उपलब्धता प्रदान करने के लिए यह बढ़ोतरी की गई है। इसके अलावा, चुनिंदा योजनाओं के लिए आकर्षक टर्मिनल बोनस की घोषणा लगातार की जा रही है, जिससे पॉलिसीधारकों को लंबे समय में मिलने वाले मूल्य में और अधिक बढ़ोतरी होगी।

इस मौके पर एजेस फ़ेडरल लाइफ़ इंश्योरेंस के चीफ़ फाइनेंशियल ऑफिसर, श्री गौरव सेठ ने कहा, 'वित्त वर्ष 2024-25 के लिए हमारी रिकॉर्ड बोनस घोषणा से हमारे पॉलिसीधारकों के भरोसे और उनकी वफ़ादारी का पता चलता है। हमने समझदारी से फंड मैनेजमेंट के साथ-साथ निवेश के अनुशासित तरीके के जरिये, लगातार मजबूत रिटर्न देने और अपने ग्राहकों को स्थायी वित्तीय सुरक्षा हासिल करने में मदद करने का लक्ष्य रखा है। हमने इस बोनस के माध्यम से ग्राहकों को हमारे साथ निवेश को बनाए रखने के लिए उनका शुक्रिया अदा किया है।'

एजेस फ़ेडरल लाइफ़ इंश्योरेंस ने वित्त-वर्ष 2024-25 के लिए अपनी सभी सहभागी उत्पादों में रिवर्सनरी बोनस (RB) और कैश बोनस (CB) दोनों को बढ़ाया है। बोनस दरों में किए गए सुधार से पता चलता है कि कंपनी लंबे समय में अपने पॉलिसीधारकों को अधिक मूल्य प्रदान करने के संकल्प पर कायम है। बीमा राशि के 10% तक रिवर्सनरी बोनस की घोषणा की गई है, जबकि कैश बोनस बीमा राशि के 1.90% तक होगा जो प्रोडक्ट तथा पॉलिसी की अवधि पर निर्भर है। ये बोनस 31 मार्च, 2025 तक सभी सक्रिय सहभागी पॉलिसियों पर लागू होंगे। जो पॉलिसी अभी लैप्स या पेड-अप स्थिति में हैं, 'वे भी घोषित बोनस का लाभ मिल सकता है, बशर्ते उन्हें लागू नियमों एवं शर्तों के अनुसार फिर से चालू किया जाए।

डबल डेकर ओवरब्रिज आधा से ज्यादा बनकर तैयार, जनवरी में शुरू होगा आवागमन

सौगात

संवाददाता ● इंदौर

आईडीए द्वारा निर्माणाधीन लवकुश चौराहा ब्रिज का 60 प्रतिशत काम हो गया है। दिसंबर में निर्माण कार्य पूरा होने की संभावना है। आईडीए का दावा है कि जनवरी में ब्रिज पर से आवागमन शुरू हो जाएगा। आईडीए शहर में सिंहस्थ से बहुत पहले डबल डेकर ब्रिज की सौगात दे देगा। लव कुश चौराहे पर आईडीए बाणगंगा से उज्जैन रोड पर डेढ़ किलोमीटर लंबा ब्रिज बना रहा है। यह शहर का पहला डबल डेकर ब्रिज है, जिसमें नीचे से मेट्रो और मेट्रो के नीचे से आईडीए का एमआर 10 सड़क से सुपर कॉरिडोर जाने वाला ब्रिज है। वर्तमान स्थिति में मरीमाता तरफ का काम 80 प्रतिशत हो चुका है, वही अरविंदो हॉस्पिटल की तरफ का कार्य भी तेजी से किया जा रहा है। 8 गर्डर भी सड़क और मेट्रो के स्पान डाली जा चुकी है और बची गर्डर लांच करने के लिए पेडल स्टैंडका कार्य जारी है। ब्रिज के चार स्पान में कुल 32 गर्डर डाली जाएगी। ब्रिज का लगभग 60 प्रतिशत काम हो गया है।

147 करोड़ है लागत

147 करोड़ की लागत 24 मीटर चौड़ा 6 लेन ब्रिज का निर्माण कर रहा है। ब्रिज का निर्माण कार्य दिसंबर में पूरा होने की संभावना है। आईडीए के सूत्रों के अनुसार डबल डेकर ब्रिज से जनवरी 2026 में आवागमन शुरु हो जाएगा। ब्रिज का निर्माण अहमदाबाद की विजय मिस्त्री कंस्ट्रक्शन कंपनी कर रही है। निर्माण कार्य पूरा करने का समय भी दिसंबर 2025 तय है।

शॉट न्यूज

केस में राजीनामे के लिए धमकाने लगा बदमाश

इंदौर। दुष्कर्म के आरोपी ने जमानत मिलने के बाद जेल से छूटकर पीड़िता को केस में राजीनामा करने के लिए धमकाना शुरू कर दिया। पुलिस अब फिर आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया हैं। कनाड़िया पुलिस ने इलाके में रहने वाली 29 वर्षीय पीड़िता की शिकायत पर आरोपी राजेन्द्र पिता आशाराम चौधरी निवासी बेटमा के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया हैं। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि मेरे द्वारा गत 25 जनवरी को थाना कनाड़िया पर राजेन्द्र चौधरी के विरूद्ध मुझे शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाने संबंधी रिपोर्ट की थी जिस पर थाना कनाडिया मे उसके खिलाफ अपराध पंजीबद्ध किया गया था व पुलिस द्वारा राजेन्द्र चौधरी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। उसके कुछ दिनों बाद राजेन्द्र को न्यायालय से जमानत मिल गयी और वह जेल से बाहर आ गया । उसके बाद गत 20 मार्च से राजेन्द्र चौधरी मुझे उक्त अपराध मे राजीनामा करने के लिये दबाव बना रहा है।

बाल भवन में मांडना आर्ट कार्यशाला का आयोजन

इंदौर। बाल भवन इंदौर द्वारा बच्चों की छिपी हुई प्रतिभाओं को निखारने के उद्देश्य से विभिन्न कैंप और कार्यशालाएं आयोजित किये जा रहे हैं। इनमें से एक विशेष कार्यशाला 'मांडना आर्ट' का आयोजन बाल भवन में किया जा रहा है। मांडना, राजस्थान, मालवा और निमाड़ क्षेत्र की लोक कला है, जो खास अवसरों पर दीवारों या जमीन पर बनाई जाती है। यह कला, सजावट से संबंधित है और बच्चों को विभिन्न आकृतियों को बनाने की कला सिखाई जा रही है, जिससे उनकी सृजनात्मक क्षमता को बढ़ावा मिल रहा है। बाल भवन के संचालक विष्णु प्रताप सिंह राठौर ने बताया कि यह शिविर बच्चों को न केवल कला बल्कि नृत्य, गायन, कंप्यूटर क्लास, इंस्ट्रूमेंटल म्यूजिक, और स्पोकन इंग्लिश क्लास जैसी विधाओं में भी पारंगत बनाने के लिए आयोजित किए जा रहे हैं।

राष्ट्रीय महिला सदस्य ने वन स्टॉप सेंटर का किया निरीक्षण

इंदौर। हिंसा पीड़ित महिलाओं को 24 घंटे सहायता प्रदान करने के लिए महिला बाल विकास विभाग द्वारा वन स्टॉप सेंटर संचालित किये जा रहे हैं। राष्ट्रीय महिला आयोग की सदस्य अर्चना मजूमदार ने आज इंदौर के मुराई मोहल्ला छावनी स्थित वन स्टॉप सेंटर का दौरा किया। उन्होंने वन स्टॉप सेंटर के लाभार्थियों से समक्ष में चर्चा की। इस दौरान परामर्श एवं कथन की कार्यवाही चल रही थी, उन्होंने प्रकरण को समझा और उस पर आगामी कार्यवाही हेतु निर्देश दिए। मजूमदार ने समस्त पंजीयों का अवलोकन भी किया तथा मिशन शक्ति के समस्त घटकों की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने जागरूकता कार्यक्रम हेतु अनेक सुझाव दिए। उन्होंने वन स्टॉप सेंटर के सुचारू संचालन एवं व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त किया। समस्त स्टॉफ से चर्चा उपरांत सभी को शुभकामनाएं दी।

बायपास क्षेत्र में निर्माणाधीन पुल, सर्विस रोड और डायवर्जन व्यवस्था का जायजा

MR-10 जंक्शन का अब सबसे सुंदर बनेगा एनएचआई चौराहा

संवाददाता ● इंदौर

जायजा

जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने आज इंदौर के बायपास क्षेत्र का अधिकारियों के दल के साथ निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माणाधीन पुल, सर्विस रोड और डायवर्जन व्यवस्था का स्थलीय जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को यातायात संबंधी समस्याओं के तत्काल निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिये कि बायपास पर निर्माणाधीन पुल के कारण किसी भी तरह का यातायात बाधित नहीं हो। सर्विस रोड़ के त्वरित सुधार के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ऐसी व्यवस्था सुनिश्चित की जाये, जिससे की बायपास पर आम दिनों सहित वर्षाकाल में यातायात सुगम बना रहें। किसी भी तरह से वाहन चालक को परेशानी नहीं हो, जाम की स्थिति नहीं बने। बायपास पर प्रकाश व्यवस्था पर्याप्त हो। उन्होंने कहा कि बायपास पर निर्माणाधीन पुलों का निर्माण शीघ्र पूरा किया जाए।

मंत्री सिलावट के भ्रमण के दौरान नगर निगम आयुक्त शिवम वर्मा, पुलिस अधीक्षक ग्रामीण हितिका वासल, डीसीपी ट्राफिक अरविंद तिवारी, जनपद अध्यक्ष इंदौर विश्वजीत सिंह सिसोदिया, एडिशनल डीसीपी ट्राफिक मनोज खत्री, नगर निगम के अपर आयुक्त अभय राजनगांवकर, एनएचआई के सोमेश बांझल, एसडीएम घनश्याम धनगर और ओमप्रकाश बड़कुल सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

मंत्री सिलावट ने अपने भ्रमण की शुरूआत बिचौली हप्सी अंडरपास से की। यहां उन्होंने अंडरपास की यातायात व्यवस्था को देखा। उन्होंने निर्देश दिये कि अंडरपास के आस-पास के क्षेत्र की सम्पूर्ण सफाई की जाये। सर्विस रोड की नालियों को ढंका जाये। आस-पास के गड्डों को भरकर यातायात सुगम करें। इसके पश्चात उन्होंने झलारिया क्षेत्र में बेस्ट प्राईस के सामने बन रहे पुल का अवलोकन किया। उन्होंने निर्देश दिए कि पुल का निर्माण जल्द पूरा करें। सर्विस रोड को सुधारा जाये। बारिश में जलजमाव की स्थिति नहीं हो। आसपास के गड्ढे भरे जायें। उन्होंने कहा कि पुल के नीचे नगर निगम के माध्यम से चौराहे का विकास कराया जाये। यह चौराहा इंदौर का प्रवेश द्वार रहेगा, इसको देखते हुए प्रदेश के सबसे बेहतर चौराहों के रूप में इसका विकास सुनिश्चित किया जाये।

डायवर्शन रोड के पास के गड्ढों को तेजी से भरा जाए...

इसके बाद मंत्री सिलावट ने अर्जुन बरोदा में निर्माणाधीन पुल का अवलोकन किया। उन्होंने डायवर्शन् को देखा। उन्होंने डायवर्शन के रोड का डामरीकरण करने और आजू-बाजू के गड्ढों को भरने के भी निर्देश दिए। मंत्री सिलावट ने कहा कि यह बायपास शहर का सबसे मुख्य मार्ग है, यहां बड़ी संख्या में भार वाहन और अन्य यात्री वाहन भी निकलते हैं। इस क्षेत्र में बड़ी संख्या में स्कूल, कॉलेज और विश्वविद्यालय होने से शैक्षणिक संस्थानों के वाहनों की संख्या भी बहुत ज्यादा रहती है। मैरेज गार्डन भी इस क्षेत्र में हैं। यहां यातायात का भारी दबाव रहता है, इसको देखते हुए पुलों का निर्माण शीघ्र करें, सर्विस रोड सुधारें, बंद सभी स्ट्रीट लाईट चालू कर नगर निगम को हस्तांतरित करें। उन्होंने कहा कि यह प्रयास करें कि यातायात सुगम रहें और किसी भी हाल में जाम की स्थिति नहीं बनें। उन्होंने मांगलिया में बन रहे आरओबी के संबंध में यातायात व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने क्षिप्रा पहुंचकर, वहां की यातायात व्यवस्था भी देखी। निरीक्षण के दौरान मंत्री सिलावट ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि बायपास के मांगलिया से राऊ तक बंद लाइटों को चालू कराकर निगम को हेडओवर कराएं। सिलावट ने नगर निगम के अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे सभी लाइटें सुधरने पर हेण्ड ओवर लें और रखरखाव करें। नगरीय क्षेत्र सीमा पर आने वाले क्षेत्रों में जनहानि-दुर्घटना न हो, इस हेतु निरीक्षण कर उपाय करें।

इंदौर मेट्रो में सवार हुआ नया भारत

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने किया मेट्रो सफर

संवाददाता ● इंदौर

सफर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत की दिशा में बढ़ते इंदौर शहर में आज एक ऐतिहासिक क्षण उस समय देखने को मिला जब भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने जनप्रतिनिधियों और पार्टी पदाधिकारियों के साथ इंदौर मेट्रो का सफर किया। इस अवसर पर उनके साथ महापौर पुष्यमित्र भार्गव, भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, जिला अध्यक्ष श्रवण चावड़ा, राज्यसभा सांसद कविता पाटीदार, विधायक रमेश मेंदोला, गोलू शुक्ला सहित संगठन के कई वरिष्ठ पदाधिकारी और जनप्रतिनिधि भी उपस्थित रहे। मेट्रो स्टेशन पर मौजूद अधिकारियों ने सभी अतिथियों को इंदौर मेट्रो परियोजना की तकनीकी, संरचनात्मक और भविष्य की विस्तार योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की। इस अवसर पर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने कहा "आज मुझे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित हो रहे नए भारत की छवि इंदौर मेट्रो में दिख रही है। यह मेरे लिए गर्व का क्षण है कि मुझे सभी जनप्रतिनिधियों के साथ इस आधुनिक मेट्रो में यात्रा करने का अवसर मिला। 11 वर्षों की सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण का जो संकल्प प्रधानमंत्री मोदी ने लिया है, वही तेज गति और आधुनिकता इस मेट्रो परियोजना में परिलक्षित हो रही है।" उन्होंने यह भी कहा कि मेट्रो परियोजना इंदौर जैसे स्मार्ट सिटी के लिए स्मार्ट मोबिलिटी का एक सशक्त उदाहरण है, और आने वाले समय में यह शहर की रफ्तार को और गति देगा।इंदौर मेट्रो न केवल यातायात का साधन है, बल्कि यह प्रधानमंत्री के 'विकसित भारत' के दृष्टिकोण का जीवंत प्रतीक बनकर उभर रही है।

21 जून अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में नि :शुल्क योग शिविर

इंदौर। विद्या भारती बाल विनय मंदिर स्कूल दशरथ बाग, (नंदबाग) टिकारिया बादशाह मेन रोड इंदौर पर प्रति वर्षानुसार इस वर्ष भी अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में योग मित्र मंडल एवं सामाजिक संस्था विंध्याचल सोशल ग्रुप के संयुक्त तत्वावधान में विशाल योग शिविर लगाया जा रहा है। योग शिविर में जटिल से जटिल बीमारियों (डायबिटीज ब्लड प्रेशर, दमा,गठिया जोड़ो का दर्द,थायरॉयड वजन कम करना, पेट की चर्बी कम करना सहित अन्य असाध्य बीमारियों) के निदान के लिए निःशुल्क योग प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस विशाल योग शिविर में सभी लोग परिवार के साथ्ज्ञ हिस्सा ले सकते हैं।

निगम में लागू हो रहा ऑटोमेटेड बिल्डिंग प्लान एनुअल सिस्टम

नगर निगम में बिना अधिकारियों के पास होंगे नक्शे

संवाददाता ● इंदौर

लोगों को मकान बनाने के लिए ऑनलाइन नक्शा पास करने का नया सिस्टम लागू किया गया है। बताया जा रहा है कि इसमें नक्शा पास करने के लिए किसी प्रकार के मानवीय श्रम की आवश्यकता नहीं है। इसे ऑटोमेटेड बिल्डिंग प्लान एनुअल सिस्टम (एबीपीएएस) नाम दिया गया है। हालांकि इसमें भी बिल्डिंग बनाते समय बिल्डिंग इंस्पेक्टर द्वारा निरीक्षण किए जाने का प्रावधान है, लेकिन बताया जा रहा है कि बिल्डिंग इंस्पेक्टर द्वारा सिर्फ मोबाइल ऐप पर वस्तु स्थिति लोड करना होगी। नक्शा बनाने वाले इंजीनियरों को ही 300 स्क्वायर फीट तक के प्लाट की स्वीकृति के पावर भी दिए गए हैं। जानकारी अनुसार नया सिस्टम ऑटोमेटेड बिल्डिंग प्लान सिस्टम नगरीय प्रशासन एवं आवास विभाग ने तैयार किया है। इसमें किसी भी प्रकार के भ्रष्टाचार की बहुत ही कम संभावना हो जताई गई है। अधिकारियों का कहना है कि नया सिस्टम को प्रदेश की 413 नगरीय निकायों में भूमि विकास नियम में दिये गये प्रावधानों के अनुसार नगरीय प्रशासन विभाग ने बनाया सिस्टम ऑनलाइन कम्पाउंडिंग (प्रशमन) लागू किया गया है। ऑनलाइन कम्पाउंडिंग प्राणाली में शुल्क भी सिस्टम के द्वारा ऑटोमेटिक जनरेट किया जाता है। साथ ही शुल्क के लिए सभी ऑनलाइन भुगतान विकल्प का उपयोग किया जाता है। ऑटोमेटेड बिल्डिंग प्लान अप्नुवल सिस्टम में नागरिक स्वयं प्लिंथ प्रमाण पत्र, सेवा निकायों में प्रमाण पत्र, कार्य पूर्णता प्रमाण पत्र और अधिभोग प्रमाण पत्र ऑनलाइन प्रक्रिया द्वारा प्राप्त कर सकते है।

नक्शा पास करने के लिए दस्तावेजों की संख्या भी की कम

जानकारी अनुसार बिल्डिंग परमिशन के लिए लगने वाले दस्तावेजों की संख्या 16 से घटाकर 5 और साइट निरीक्षण चेक लिस्ट बिंदुओं को भी 43 से घटा कर 26 कर दिया गया है। फीस मेमों सिस्टम द्वारा स्वत: ही शुल्क जनरेट किया जाता है। राज्य शासन द्वारा भवन अनुज्ञा प्रक्रिया के सरलीकरण के लिए अधिकारिता रखने वाले प्राधिकारी द्वारा समयक रुप से पंजीकृत वास्तुविद और संरचना इंजीनियर को 300 वर्ग मीटर तक के क्षेत्रफल के प्लाट पर भवन अनुज्ञा जारी किए जाने की शक्तियां प्रदान की गई है।

संत वचन

अक्सर इन सभी के कारण अपने मंत्रालय के दौरान बहुत कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। यही कारण है कि प्रभु ने उन फरीसियों की आलोचना की और उन्हें उनके व्यवहार के लिए फटकार लगाई, जिसे उन्होंने इस प्रकार उजागर किया कि यह उनके पूर्वजों और पूर्वजों द्वारा दिखाए गए व्यवहार से मिलता-जुलता था, जो प्रभु और उनकी सच्चाई पर भरोसा करने के बजाय अपनी इच्छाओं, अपनी समझ और चीजों की व्याख्या के अनुसार चलने की उनकी जिद थी। उनका अभिमान और अहंकार, महत्वाकांक्षाएं और इस दुनिया की इच्छाएं उन्हें गलत रास्ते पर ले गईं और उन्हें प्रभु से और भी दूर कर दिया, क्योंकि उन्होंने प्रभु के लिए अपने दिल और दिमाग के दरवाजे बंद कर दिए थे। यह वह रवैया है जो प्रभु नहीं चाहते कि हममें से कोई भी रखे, ताकि हम यह न सोचें कि हमारे तरीके ... और पद्धतियां बेहतर हैं या हम अपने आस-पास के लोगों की तुलना में किसी तरह बेहतर और श्रेष्ठ हैं।

एग्जाम फेल हुआ है, हार्ट नहीं... जब तक है जान, होंगे इम्तेहान

मेरी डॉगी माया कुछ दिनों से बीमार थी। खाने से मुंह फेर रही थी। कभी खा भी लेती तो एक घंटे बाद उल्टी। जब दो-तीन दिन वो एक कोने में बेजान-सी पड़ी रही तो मैंने सोचा, डॉक्टर को दिखाना चाहिए। गाड़ी में बिठाकर मैं उसे अपने घर के पास वाले जानवरों के अस्पताल में ले गई। आपको जानकर हैरानी होगी, मुम्बई के महालक्ष्मी में स्थित स्मॉल एनिमल हॉस्पिटल कोई मनुष्यों के 5 स्टार हॉस्पिटल से कम नहीं। वैसे ये नगर पालिका की जमीन है मगर भव्य बिल्डिंग बनाई है टाटा ट्रस्ट ने। मैनेजमेंट भी उन्हीं का है। हर चीज का स्टैंडर्ड ऊंचा। खैर हमारी माया देवी को इस बात से कोई लेना-देना नहीं। जैसे ही हम कंपाउंड में घुसे, वो भांप गई, ये ₹वो' जगह है।

अब तो भाई, वो गाड़ी से उतरने को तैयार ही नहीं। तीन स्टाफ आए, मगर बहला-फुसलाकर भी हम उसे बाहर नहीं निकाल पाए। आखिर हार कर मैं वापस घर आ गई। माया के इस व्यवहार के पीछे वजह क्या थी? दस दिन पहले हम उसे इसी अस्पताल में लाए थे, सालाना वैक्सीनेशन के लिए। अब उसके अंदर डर बैठ गया था कि यहां पर इंजेक्शन लगता है। ना बाबा ना, मैं अंदर जाने वाली नहीं। कोई जबर्दस्ती करेगा तो मैं उसे काट लूंगी।

भगवान ने हर प्राणी की प्रोग्रामिंग जब की, उसमें एक फीचर डाल दिया। अगर दिमाग मान ले कि फलाना डेंजर जोन है, तो अंदर से आवाज उठती है- भागो! जंगल में इस आवाज का फायदा है, क्योंकि शायद आपकी अंतर्प्रेरणा सही कह रही है। सौ मीटर दूर शेर खड़ा है, आपकी जान खतरे में है। अब हम जंगल में नहीं रहते, हर पेड़ के पीछे खतरा नहीं। लेकिन प्रोग्रामिंग वही है। माया को इंजेक्शन का डर है, यानी कि दर्द से। वैसे जब भी ब्लड टेस्ट होता है, मैं भी आंखें मूंद लेती हूं। सुई का डर मेरे अंदर कब, कैसे और कहां पैदा हुआ, उसके पीछे एक कहानी है। बचपन में हम एक सरकारी डिस्पेंसरी में जाते थे। वहां एक नर्स थीं, सिस्टर जॉर्ज। ब्लड टेस्ट लेने का काम सिस्टर जॉर्ज का था। उन दिनों सुई मोटी होती थी, और उनकी अंगुलियां भी। बंबइया हिन्दी में सिस्टर जॉर्ज का फेवरेट डायलॉग था- ₹ऐ, डरने का नहीं...'

> **फिर मेरी पतली-सी बांह उनके ताकतवर हाथों की पकड़ में, और सुई निशाने की ओर। ब्रह्मोस मिसाइल जितनी एक्यूरेसी नहीं थी सिस्टर जॉर्ज की सुई में। एक बार में सही नस नहीं मिलती थी, तो दोबारा सुई चुभातीं। सिस्टर के सांवले चेहरे पर सफेद दांतों वाली मुस्कान और ट्यूब में भरता हुआ लाल खून... यह सीन कुछ ऐसा था कि मुझे वहीं चक्कर आने लगता, एक बार तो मैं बेहोश तक हो गई। तो बस, सिस्टर जॉर्ज की बदौलत मेरे अंदर एक डर-सा बैठ गया।**

फिर मेरी पतली-सी बांह उनके ताकतवर हाथों की पकड़ में, और सुई निशाने की ओर। ब्रह्मोस मिसाइल जितनी एक्यूरेसी नहीं थी सिस्टर जॉर्ज की सुई में। एक बार में सही नस नहीं मिलती थी, तो दोबारा सुई चुभातीं। सिस्टर के सांवले चेहरे पर सफेद दांतों वाली मुस्कान और ट्यूब में भरता हुआ लाल खून... यह सीन कुछ ऐसा था कि मुझे वहीं चक्कर आने लगता, एक बार तो मैं बेहोश तक हो गई। तो बस, सिस्टर जॉर्ज की बदौलत मेरे अंदर एक डर-सा बैठ गया। साल बीत गए। एक दिन मजबूरी में जब ब्लड टेस्ट किया तो मुट्ठी-आंखें बंद। मैने टेक्नीशियन को पूछा, कितना टाइम लगेगा? वो हंस के बोला, मैडम हो गया। सुई कब अंदर गई, कब निकली, पता ही नहीं चला। दर्द का पहाड़ सिर्फ मेरे मन में था, और ऐसे कितने ही काल्पनिक पहाड़ हम अपने अंदर बसा लेते हैं।

किसी को मैथ्स से डर लगता है, किसी को ऊंचाई से। वो कब, कहां, कैसे आपके अंदर आया, थोड़ा चिंतन कीजिए। हो सकता है किसी टीचर ने डांटा हो, गलत जवाब देने पर। आपके नन्हे-से दिल पर चोट ऐसी पहुंची कि फिर हाथ उठाने की हिम्मत नहीं हुई। बीस साल बीत गए लेकिन आज भी मीटिंग में आप अपनी राय देने से कतराते हैं। क्योंकि मन में आशंका है- मैने कुछ गलत कह दिया तो? डर को जड़ से निकाल फेंकना मुश्किल है पर नामुमकिन नहीं। सबसे पहले आप एक कागज पर लिख डालिए- ऐसी कौन सी चीज है, जिससे मुझे डर लगता है। 99 प्रतिशत चांस है कि आप लिखेंगे- फियर ऑफ फेल्योर। चलो, एक क्षण के लिए हम मान लें, आपने कोई एग्जाम दिया और फेल हो गए। घर पर लोग नाराज होंगे, दोस्त चर्चा करेंगे।

लेकिन एग्जाम फेल हुआ है, हार्ट फेल नहीं। जब तक हैं जान, होंगे इम्तेहान। डर के आगे जीत है, यही दुनिया की रीत है। ललकारो उसे, सामने लाओ। हिम्मत करो, डर भगाओ।

हमारे युवा क्रिकेट देखते हुए कितना समय बिताते हैं?

जरा इस परिदृश्य पर विचार करें : एक घरेलू क्रिकेट लीग अपना वार्षिक टूनार्मेंट आयोजित करती है। एक टीम के खिताब जीतने के बाद 35,000 दर्शक-क्षमता वाले स्टेडियम में जीत का जश्न मनाया जाता है। लेकिन लाखों लोग चले आते हैं। अराजकता फैल जाती है। भगदड़ मच जाती है। 11 लोग मारे जाते हैं। दर्जनों घायल हैं। दोषारोपण का खेल शुरू हो जाता है। आपने अनुमान लगा लिया होगा- यह आईपीएल है। मनोरंजन का ऐसा जरिया, जिसने पूरे देश को मोहित कर रखा है। 2025 के आईपीएल फाइनल को कथित तौर पर टीवी और डिजिटल प्लेटफॉर्मों पर लगभग 69 करोड़ लोगों ने देखा, जो कि भारत की लगभग आधी आबादी है। नियमित मैचों को भी करोड़ों दर्शक मिलते हैं। आरसीबी की जीत के जश्न के दौरान हुई दुःखद मौतें इस बात की याद दिलाती हैं कि क्रिकेट हमारी राष्ट्रीय मानसिकता में कितनी गहराई से समा गया है। यह घटना इस बड़े सवाल को जन्म देती है कि क्या हम क्रिकेट को लेकर कुछ ज्यादा ही जुनूनी हो चुके हैं? और क्या यह उन अनगिनत घंटों पर विचार करने का समय नहीं है, जो कि हम और खासकर हमारे युवा स्क्रीन से चिपके हुए बिताते हैं?

एडिट.नोट

आईपीएल पारम्परिक अर्थों में राष्ट्रीय प्रतियोगिता नहीं है। फर्क नहीं पड़ता कि कौन-सी टीम जीतती है, अंतिम निष्कर्ष में वह कोई भारतीय टीम ही होती है। इसमें खिलाड़ियों की नीलामी की जाती है और उन्हें कमोडिटीज की तरह खरीदा-बेचा जाता है। टीमों का स्वामित्व कॉर्पोरेट्स, निजी व्यक्तियों और इंवेस्टमेंट-फंड्स के पास होता है यानी किसी शहर की टीम होने के बावजूद वे वास्तव में उस शहर का प्रतिनिधित्व नहीं करती हैं। आईपीएल का फॉर्मेट ही व्यावसायिक है। तब हमें इसमें इतनी रुचि क्यों लेनी चाहिए कि भगदड़ का जोखिम उठाकर भी जश्न में शामिल होने को उमड़ पड़ें? और वैसे भी आईपीएल का टी20 फॉर्मेट पारम्परिक क्रिकेट नहीं है। 20 ओवरों के साथ टीमें इस खेल का संकुचित संस्करण खेलती हैं। टी20 मैच के माध्यम से खिलाड़ी की गुणवत्ता का आकलन करना मात्र आधे सेट से ही किसी बेहतर टेनिस खिलाड़ी का निर्धारण करने जैसा है। यह रोमांचक हो सकता है, लेकिन यह निरंतरता और उत्कृष्टता को शायद ही दर्शाता है।

यकीनन, क्रिकेट दिलचस्प खेल है (वैसे यह अंग्रेजों ने हमें दिया है), लेकिन क्या यह भारत में किसी भी अन्य खेल की तुलना में अधिक देखने लायक है? यह भी सच है कि भारत क्रिकेट में विश्व-स्तरीय है, लेकिन इस विश्व-स्तरीय खेल में दुनिया के कितने देश प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं? यहां छह या सात ही अच्छी टीमें हैं। इनमें भी कुछ जैसे न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया की आबादी क्रमशः अहमदाबाद और मुंबई के बराबर है। और क्रिकेट वहां भी प्राथमिक खेल नहीं है। दूसरे देशों के क्रिकेट बोर्ड का बजट भारत के बीसीसीआई के बजट के दसवें हिस्से से भी कम होता है। ऐसे में जब भारत क्रिकेट में जीतता है, तो यह जीत कितनी वैश्विक मानी जा सकती है? खास तौर पर चिंताजनक बात यह है कि हमारे युवा क्रिकेट देखने में कितना समय बिताते हैं। अपने देश का समर्थन करने या आईपीएल में अपनी टीम को सपोर्ट करने के नाम पर साल के कई महीनों तक हर दिन कई घंटे बर्बाद होते हैं। जो युवा प्रशंसक गर्व से कहते हैं कि आई ब्लीड ब्लू या मेरा पसंदीदा खिलाड़ी ही सर्वश्रेष्ठ है, उनसे मैं पूछता हूं कि खिलाड़ी मैचों से कितना कमाते हैं? बेशक करोड़ों। और उन्हें देखकर आप कितना कमा लेते हैं? कुछ भी नहीं। शून्य। तब वास्तव में आप ही यहां पर प्रोडक्ट हैं। आप मैच देखते हैं, आप विज्ञापन देखते हैं, आप नूडल्स, टायर, शैम्पू खरीदते हैं- और प्रायोजक पैसा कमाने में विभिन्न ब्रांड्स की मदद करते हैं। साल-दर-साल आप अपने जीवन का एक बड़ा हिस्सा सिर्फ दूसरों को सफल होते देखने में लगा देते हैं। जबकि असहज कर देने वाली सच्चाई यह है कि किसी को आपकी परवाह नहीं है, उन्हें सिर्फ इस बात की परवाह है कि आप आईपीएल देख रहे हैं।तो अपने से पूछें कि क्या आप अपना जीवन दूसरों को सफल होते देखने में बिता देना चाहते हैं, या आप खुद इसके लिए प्रयास करना चाहेंगे? क्या आप एक सार्थक करियर बनाना पसंद करेंगे, या निजी स्वामित्व वाली किसी क्रिकेट टीम की सफलता का जश्न मनाने वाली भीड़ में अपनी जान जोखिम में डालना चाहेंगे?

मेघना पंत - लेखक

हिंसक हो रही स्त्रियां समाज का कौन-सा सच बताती हैं?

एक व्यक्ति अपने बेडरूम में मृत पड़ा है। मारने से पहले उसे किसी भारी वस्तु से निर्ममता से पीटा गया है, या उसका गला घोंटा गया है या उसे जहर दे दिया गया है। कठघरे में उसके घर में चोरी करने घुसा कोई अपराधी या शत्रु नहीं, बल्कि उसकी पत्नी खड़ी है। कभी-कभी, पत्नी का प्रेमी भी उसके बगल में बैठा होता है। ये सुर्खियां इतनी भयावह हैं कि उन्हें अनदेखा नहीं किया जा सकता : पत्नियां- जो प्रेमी के बहकावे में आकर या उसको बहकाकर अपने पति की साजिश रच देती हैं। इन कहानियों में विश्वासघात, सेक्स और हत्या के तमाम सनसनीखेज ब्योरे शामिल होते हैं। लेकिन क्या ये कहानियां समाज के हाशिए में अलग-थलग घटित होने वाली दुर्घटनाएं हैं, या वे एक गहरे सामाजिक पतन का संकेत दे रही हैं?

क्या हम कुछ एक्स्ट्रीम मामलों को चुन-चुन कर उन्हें महिलाओं को बदनाम करने वाली कहानियों में बदल रहे हैं और उनसे अधिक व्यापक सच्चाइयों को सुविधाजनक रूप से नजरअंदाज कर रहे हैं? या सच में ही हम ऐसी महिलाओं की संख्या में बढ़ोतरी होते देख रहे हैं, जो अपने ही घरों में हिंसक अपराधी बन रही हैं? जबकि ये वही महिलाएं हैं, जिन्हें परम्परागत रूप से परिवार का पालन-पोषण करने वाली माना जाता रहा है। और क्या कुछ पुरुषों के पीड़ित होने के बावजूद आज भी महिलाओं के ही विक्टिम होने की सम्भावना अधिक है? उन्माद से भरी इन कहानियों के नीचे कहीं अधिक जटिल, और परेशान करने वाली वास्तविकताएं छिपी हैं। हमें इस बात को लेकर कोई दुविधा नहीं होनी चाहिए कि आज भी भारत और दुनिया में घरेलू हिंसा की अधिकांश घटनाएं पुरुषों द्वारा महिलाओं पर की जाती हैं।

महिलाओं को उनके पार्टनर द्वारा पीटे जाने, उनका उत्पीड़न करने, और यहां तक कि उनकी हत्या करने की सम्भावनाएं भी महिलाओं द्वारा अपने पुरुष-पार्टनर के साथ ऐसा करने की तुलना में अधिक हैं। इसमें कोई बदलाव नहीं आया है। जो बदला है वह वो सांस्कृतिक असुविधा है, जो पुरुष के विक्टिम और महिला के अपराधी होने पर उत्पन्न होती है। प्रेमियों के लिए अपने पतियों की हत्या करने वाली महिलाओं के कुछ हाई-प्रोफाइल मामले चौंकाने वाले हैं, क्योंकि वे उस सामाजिक नैरेटिव को चुनौती देते हैं, जिसे हम लंबे समय से स्वीकार करते आ रहे हैं। यह कि महिलाएं- विशेष रूप से पत्नियां- हिंसा की घटनाओं में निष्क्रिय सहभागिता करती हैं, उन्हें खुद बढ़ावा नहीं देतीं। जब यह बात उलट जाती है, तो वे हमें बेचैन करने लगती हैं।

और इसके बावजूद, हमें इन घटनाओं को सभी विवाहों या सभी महिलाओं का प्रतिनिधित्व करने वाली के रूप में देखने की इच्छा का विरोध करना चाहिए। हां, ऐसी घटनाएं सच में ही घटित हो रही हैं- सभी राज्यों और सामाजिक वर्गों में- जहां महिलाओं ने या तो जुनून या हताशा या लालच के कारण अपने पतियों की हत्या करने के लिए अपने प्रेमियों के साथ मिलकर साजिश रची हैं। ये मनगढ़ंत नहीं हैं। ये भयानक, आपराधिक कृत्य हैं। लेकिन साथ ही ये घटनाएं अभी अपवादस्वरूप ही हैं, सांख्यिकीय रूप से दुर्लभ हैं। जो बात खतरनाक है, वो है इन घटनाओं को महिलाओं की नैतिकता के व्यापक क्षरण की तरह से पेश किया जाना। यह सीधे तौर पर इस पितृसत्तात्मक डर को बढ़ावा देता है कि अगर महिलाओं को बहुत अधिक स्वतंत्रता दी जाए तो वे अनियंत्रित हो जाएंगी। इस तरह की प्रतिक्रियाएं न तो पुरुषों और न ही महिलाओं के लिए मददगार हैं।

बल्कि इससे वह वास्तविक-विमर्श धुंधला हो जाता है, जिस पर हमें बात करनी चाहिए : वह है जेंडर के परे भारतीय घरों में हिंसा का बढ़ता सामान्यीकरण। विवाह, जिसे कभी दो लोगों की शरणस्थली माना जाता था, वह अब सत्ता-संघर्ष, अविश्वास और कभी-कभी खून-खराबे का भी स्थल बन रहा है। इन घटनाओं का इस्तेमाल महिलाओं को बदनाम करने या विक्टिमहुड की रस्साकशी करने में करने के बजाय हमें इस सच्चाई को स्वीकारना चाहिए कि हिंसा अब जेंडर-न्यूट्रल होती जा रही है। जब महिलाएं हिंसक होती हैं तो उनके प्रति भी न्याय को निष्पक्ष और त्वरित ही होना चाहिए। लेकिन जेंडर के परे अगर हम समस्या की जड़ को देखना शुरू करेंगे, तभी हमें वे उत्तर मिलेंगे जिनकी हम वास्तव में तलाश कर रहे हैं। जब महिलाएं हिंसक होती हैं तो उनके प्रति भी न्याय को निष्पक्ष और त्वरित ही होना चाहिए। लेकिन जेंडर के परे अगर हम समस्या की जड़ को देखना शुरू करेंगे, तभी हमें वे उत्तर मिलेंगे जिनकी हम वास्तव में तलाश कर रहे हैं।

बिजनेस

मई में रिटेल महंगाई घटकर 2.82% पर आई

ये 6 साल में सबसे कम, खाने-पीने के सामान की कीमतों में कमी से घटी महंगाई

नई दिल्ली। भारत की रिटेल महंगाई मई में 2.82% पर आ गई है। ये 6 साल का निचला स्तर है। इससे पहले मार्च 2019 में ये 2.86% रही थी। खाने-पीने के सामान की कीमतों में लगातार नरमी के कारण रिटेल महंगाई घटी है।

इससे पहले अप्रैल में रिटेल महंगाई घटकर 3.16% पर आई गई थी। वहीं मार्च महीने में रिटेल महंगाई 3.34% रही थी। ये महंगाई का 67 महीने का निचला स्तर था। आज यानी 12 जून को रिटेल महंगाई के आंकड़े जारी किए गए हैं। रिटेल महंगाई फरवरी से फ्ढकके लक्ष्य 4% से नीचे है।

महंगाई के बास्केट में लगभग 50% योगदान खाने-पीने की चीजों का होता है। इसकी महीने-दर-महीने की महंगाई 1.78% से घटकर 0.99% हो गई है। अप्रैल महीने में ग्रामीण महंगाई दर 2.92% से घटकर 2.59% हो गई है। वहीं शहरी महंगाई 3.36% से घटकर 3.07% हो गई है।इससे पहले 4 से 6 जून तक हुई फ्ढक मॉनीटरी पॉलिसी कमेटी की मीटिंग में भी वित्त वर्ष 2025-26 के लिए महंगाई का अनुमान 4% से घटाकर 3.7% कर दिया था। फ्ढक ने अप्रैल-जून तिमाही के लिए अपने मुद्रास्फीति अनुमान को 3.6% से घटाकर 2.9% कर दिया।महंगाई का बढ़ना और घटना प्रोडक्ट की डिमांड और सप्लाई पर निर्भर करता है। अगर लोगों के पास पैसे ज्यादा होंगे तो वे ज्यादा चीजें खरीदेंगे। ज्यादा चीजें खरीदने से चीजों की डिमांड बढ़ेगी और डिमांड के मुताबिक सप्लाई नहीं होने पर इन चीजों की कीमत बढ़ेगी।

इस तरह बाजार महंगाई की चपेट में आ जाता है। सीधे शब्दों में कहें तो बाजार में पैसों का अत्यधिक बहाव या चीजों की शॉर्टेज महंगाई का कारण बनता है। वहीं अगर डिमांड कम होगी और सप्लाई ज्यादा तो महंगाई कम होगी।

एक ग्राहक के तौर पर आप और हम रिटेल मार्केट से सामान खरीदते हैं। इससे जुड़ी कीमतों में हुए बदलाव को दिखाने का काम कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स यानी उढक करता है। हम सामान और सर्विसेज के लिए जो औसत मूल्य चुकाते हैं, उढक उसी को मापता है। कच्चे तेल, कमोडिटी की कीमतों, मैन्युफैक्चर्ड कॉस्ट के अलावा कई अन्य चीजें भी होती हैं, जिनकी रिटेल महंगाई दर तय करने में अहम भूमिका होती है। करीब 300 सामान ऐसे हैं, जिनकी कीमतों के आधार पर रिटेल महंगाई का रेट तय होता है।

राज-काज

शेयर बाजार में इस हफ्ते तेजी का अनुमान

मुंबई। इस सप्ताह 100 से ज्यादा कंपनियां अपने मार्च 2025 तिमाही यानी चौथी तिमाही के नतीजे जारी करेंगी। टेक्नोलॉजीज, टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स, एक्सिस बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, स्ढक लाइफ इंश्योरेंस कंपनी, टेक महिंद्रा और मारुति सुजुकी जैसी बड़ी कंपनियों के भी रिजल्ट्स आएंगे। बाजार की यूरोपियन यूनियन और चीन के साथ अमेरिका की ट्रेड वार्ता पर कड़ी नजर रहेगी। अमेरिका ने चीन को छोड़कर सभी ट्रेड पार्टनर्स के लिए टैरिफ रेट के इम्प्लिमेंटेशन को 90 दिनों तक रोक दिया है। पिछले हफ्ते अमेरिका ने चीन के प्रोडक्ट्स पर 245% टैरिफ की घोषणा की, जिससे दोनों देशों के बीच ट्रेड टैरिफ वॉर बढ़ गई। हालांकि, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दोनों की-पार्टनर्स के साथ समझौते पर पहुंचने की बात कही है। इस बीच पिछले हफ्ते भारतीय इक्विटी में निवेशकों की भावना इस उम्मीद से बढ़ी कि अमेरिका-चीन व्यापार विवाद भारत को नुकसान नहीं।

पेटीएम का शेयर 7% गिरा:67 रुपए टूटकर 893 पर पहुंचा

मुंबई। पेटीएम की पैरेंट कंपनी वन 97 कम्युनिकेशन के शेयर में गुरुवार को 10% तक गिरावट रही। बाजार बंद होने तक शेयर प्राइज 7% यानी 67 रुपए टूटकर 893 पर पहुंच गया। इस गिरावट का कारण वढक पेमेंट पर चार्ज ना लगाने वाले वित्त मंत्रालय के बयान को माना जा रहा है। दरअसल, पिछले कुछ महीनों से वढक ट्रांजेक्शन पर मर्चेंट डिस्काउंट रेट (टउफ) लगाने की खबरें चर्चा में बनी हुई थीं। इस चार्ज से फिनटेक कंपनियों को फायदा हो सकता था। लेकिन कल वित्त मंत्रालय ने साफ कर दिया कि वढक ट्रांजैक्शन पर किसी भी तरह का चार्ज लगाने की कोई योजना नहीं है।

वित्त मंत्रालय ने बुधवार को पर पोस्ट कर वढक ट्रांजैक्शन पर चार्ज लगाने की खबरों को भ्रामक और निराधार बताया है। मंत्रालय ने कहा कि, 'इस तरह की निराधार और सनसनी पैदा करने वाली खबरें लोगों के बीच भय और संदेह पैदा करती हैं। सरकार वढक से डिजिटल पेमेंट को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है।'इससे पहले कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि केंद्र सरकार दुकानदारों यानी मर्चेंट से 3,000 रुपए से ज्यादा के वढकट्रांजैक्शन पर चार्ज लगा सकती है। इसके लिए 0.3% मर्चेंट डिस्काउंट रेट (टउफ) दोबारा लागू किए जा सकते हैं। यानी आप 3,000 रुपए से ज्यादा का वढकपेमेंट करते हैं, तो दुकानदार को बैंक को 9 रुपए तक फीस देनी होगी।एक मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया था कि 2 महीने में नए नियम लागू किए जा सकते हैं। नए नियम बैंकों और पेमेंट सर्विस प्रोवाइडर्स के बढ़ते इंफ्रास्ट्रक्चर और ऑपरेशनल खर्चों को देखते हुए लाए जा सकते हैं। हाल ही में ढटड, वित्त मंत्रालय और अन्य विभागों की बैठक हुई है। सभी स्टेकहोल्डर्स (बैंक, फिनटेक कंपनियां, से चर्चा के बाद ही पॉलिसी लागू होगी। मई 2025 में यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (वढक) के जरिए 18,67 करोड़ ट्रांजैक्शन हुए। इस दौरान इस दौरान कुल 25.14 लाख करोड़ रुपए की राशि ट्रांसफर की गई। ट्रांजैक्शन की संख्या में एक महीने में 4% की बढ़ोतरी हुई है।इससे पहले पेमेंट काउंसिल ऑफ इंडिया ने प्रधानमंत्री मोदी को लेटर लिखा था। लेटर में ढट मोदी से जीरो मर्चेंट डिस्काउंट रेट नीति पर पुनर्विचार करने की मांग की गई है।

कर्नाटक के बेंगलुरु में नीट व यूजी परीक्षा के लिए अभ्यर्थी इंतजार कर रहे हैं।

सोना 1,220 बढ़कर 97,455 प्रति 10 ग्राम पर पहुंचा: इस साल अब तक 21,293 महंगा हुआ

नई दिल्ली: सोने-चांदी के दाम में आज यानी 12 जून को बढ़त रही। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (क्ष्खअ) के अनुसार सोना 1,220 बढ़कर 97,455 प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है। इससे पहले सोने की कीमत 96,235 प्रति 10 ग्राम थी। चांदी में आज मामूली बढ़त रही। ये सिर्फ 4 बढ़कर 1,05,498 किलो हो गई है। इससे पहले चांदी 1,05,494 प्रति किलो पर थी। वहीं 10 जून को चांदी ने 1,07,000 का और सोने ने 21 अप्रैल को 99,100 का ऑल टाइम हाई बनाया था।दिल्ली: 24 कैरेट सोने की कीमत 99,430 और 22 कैरेट सोने की कीमत 91,150

मुंबई: 24 कैरेट सोने की कीमत 99,280 और 22 कैरेट सोने की कीमत 91,000 कोलकाता: 24 कैरेट सोने की कीमत 99,280 और 22 कैरेट सोने की कीमत 91,000

चेन्नई: 24 कैरेट सोने की कीमत 99,280 और 22 कैरेट सोने की कीमत 91,000 भोपाल: 24 कैरेट सोने की कीमत 99,330 और 22 कैरेट सोने की कीमत 91,050

इस साल अब तक 21,293 महंगा हो चुका है सोना

इस साल यानी 1 जनवरी से अब तक 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 76,162 रुपए से 21,293 रुपए बढ़कर 97,455 रुपए पर पहुंच गया है। वहीं, चांदी का भाव भी 86,017 रुपए प्रति किलो से 19,931 रुपए बढ़कर 1,05,498 रुपए पर पहुंच गया है। वहीं पिछले साल यानी 2024 में सोना 12,810 रुपए महंगा हुआ था।

केडिया एडवाइजरी के डायरेक्टर अजय केडिया कहते हैं कि जियो पॉलिटिकल टेंशन बने हुए हैं। इससे गोल्ड को सपोर्ट मिल रहा है। इससे गोल्ड की डिमांड बढ़ रही है। ऐसे में इस साल सोना 1 लाख 3 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम तक जा सकता है।हालांकि, आगे जियो पॉलिटिकल टेंशन कम होने के आसार हैं। इससे चांदी की इंडस्ट्रियल डिमांड बढ़ेगी।

सीएम डॉ. यादव बोले : होगा मप्र का पहला, 17 तरह के होंगे कार्य

'रिजर्वायर फिशरीज प्रोडक्शन एंड प्रोसेसिंग क्लस्टर हलाली'

संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि पीएम मत्स्य संपदा योजना में भोपाल के पास हलाली में बनने वाला मध्यप्रदेश का पहला रिजर्वायर फिशरीज़ प्रोडक्शन एंड प्रोसेसिंग क्लस्टर का उद्घाटन 13 जून को इंदौर से होगा। केन्द्रीय मछुआ पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री राजीव रंजन सिंह राष्ट्रीय इनलैंड फिशरीज़ एवं एक्वाकल्चर बैठक में इसका उद्घाटन करेंगे।

बैठक

देश में पीएम मत्स्य संपदा योजना में इस तरह के 17 क्लस्टरों की पहचान केन्द्र सरकार ने की है जो उन क्षेत्रों की मत्स्य पालन की विशेषताओं के आधार पर विकसित किये जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इनलैंड स्टेट में फिशरीज से जुड़ी इस तरह की बैठक देश में पहली बार इंदौर में हो रही है। बैठक का उद्देश्य उन इनलैंड राज्यों में मत्स्य उत्पादन बढ़ाना है, जिनकी सीमाएं समुद्र से नहीं जुड़ती हैं। इस बैठक में सिर्फ उन राज्यों के प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं जो समुद्र से मत्स्य उत्पादन गतिविधियां नहीं करते हैं। इंदौर में होने वाली इनलैंड फिशरीज एण्ड एक्वाकल्चर मीट में देश के 20 राज्यों के मत्स्य पालन मंत्री भाग ले रहे हैं। राष्ट्रीय बैठक में मध्यप्रदेश के मछुआ पालन मंत्री नारायण सिंह पंवार, उत्तर प्रदेश के मछुआ पालन मंत्री संजय कुमार निषाद, बिहार की मछुआ पालन और पशुपालन मंत्री रेणु देवी, हरियाणा के पशुपालन, डेरी और मत्स्य पालन मंत्री श्याम सिंह राणा, राजस्थान के पशुपालन और मछुआ पालन राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेधम के अलावा अन्य राज्यों के मंत्री भी भाग ले रहे हैं। बैठक में विशेष रूप से केन्द्र सरकार के मत्स्य पालन सचिव डॉ। अभिलाक्ष लिखी और संयुक्त सचिव सागर मेहरा भी उपस्थित रहेंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निर्देशानुसार देश में मत्स्य उत्पादन में निर्यात को बढ़ावा देने के लिए इंदौर की इस राष्ट्रीय बैठक में भारत के अलग-अलग राज्यों में हो रहे प्रयोगों पर तकनीकी-सत्र भी होंगे। इनमें राष्ट्रीय स्तर की संस्थाओं ICAR-CIFRI, (CAR-CIFA, NFDB की तरफ से मत्स्य उत्पादन की दिशा में विश्व में अपनाई जा रही नई तकनीकों पर प्रेजेन्टेशन दिए जाएंगे।

मछुआरों को बनाएंगे आत्मनिर्भर

केन्द्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह द्वारा लाभार्थियों को प्रमाण-पत्र भी वितरित किये जायेंगे, जिनमें मत्स्य सहकारी समितियों, मछुआरा उत्पादक संगठन, मत्स्य पालन स्टार्ट-अप्स एवं परंपरागत मछुआरे भी शामिल हैं। मछुआरों को किसान क्रेडिट कार्ड और जलीय कृषि बीमा भी उपलब्ध कराया जाएगा। इसका उद्देश्य मछुआरों को बीमा और डिजिटल एक्सेस देना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में राज्य में मछुआरों को आत्मनिर्भर बनाने के लिये जल क्षेत्र के कुशल प्रबंधन पर लगातार कार्य किया जा रहा है। इसके चलते इनलैंड फिशरीज़ एण्ड एक्वाकल्चर मीट के अवसर पर इंदौर के ब्रिलियेंट कन्वेंशन सेंटर में एक प्रदर्शनी भी लगाई जा रही है, जिसमें प्रदेश का खूबसूरत एक्वा पार्क एवं मछली पालन की नई तकनीकी-केज कल्चर और आरएएस को प्रदर्शित करते स्टॉल लगाये जाएंगे। प्रदेश सरकार के प्रयासों से राज्य में मछुआरों की आय में वृद्धि हो रही है। साथ ही विज़न 2047 के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिये मध्यप्रदेश में मछुआ पालन से जुड़ी सभी गतिविधियों पर गंभीरता से कार्य किया जा रहा है। विशेष तौर पर इनपुट सप्लाई के क्षेत्र में, पोस्ट हार्वेस्ट मैनेजमेंट, प्रोसेसिंग एवं उत्पादों के निर्यात के लिये भी प्रयास जारी हैं। प्रदेश का सिवनी ज़िला बेस्ट इनलैंड डिस्ट्रिक्ट का पुरस्कार पहले भी प्राप्त कर चुका है। साथ ही बालाघाट ज़िले की प्राथमिक मछुआ सहकारी समिति को मछुआरों के सशक्तिकरण की दिशा में राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता मिल चुकी है।

शॉट न्यूज

अतिक्रमण पर निगम की बड़ी कार्रवाई

भोपाल। शहर में नगर निगम ने अतिक्रमण को लेकर बड़ी कार्रवाई की। मुर्गी बाजार में दुकानों के बाहर बने 25 पक्के चबूतरे तोड़ दिए गए। वहीं, कई शेड हटाए तो ठेले-गुमटियां भी जब्त की गई। मुर्गी बाजार में अतिक्रमण अधिकारी सृष्टि भदौरिया की मौजूदगी में यह कार्रवाई हुई। भदौरिया ने बताया कि सभी चबूतरों को जेसीबी की मदद से तोड़ा गया। इनकी वजह से नाले-नालियों की सफाई नहीं हो पा रही थी। चबूतरों को तोड़ने के बाद सफाई अभियान भी चला। अब्बास नगर, हमीदिया रोड, रेलवे स्टेशन प्लेटफार्म नंबर-6, आरिफ नगर, जहांगीराबाद, अशोका गार्डन, सूरज नगर, भदभदा, भारत माता चौराहा, कोलार रोड, सुमित्रा परिसर फेस-2, जानकी हाउस, विजय विलास कॉम्प्लेक्स, ललिता नगर, बाग मुगालिया, राजा भोज आर्केड, सब्जी मंडी, रानी कमलापति स्टेशन, न्यू मार्केट, एमपी नगर जोन-1, आदि द्वारा अवैध टपरे को तोड़ने की कार्रवाई हुई।

घायल अजगर की सर्जरी कर बचाई जान

नर्मदापुरम। मध्य प्रदेश के नर्मदापुरम में एक अनोखा मामला सामने आया है। जहां 7 फीट लंबे घायल अजगर की सफल सर्जरी की गई। यह सांप गंभीर रूप से घायल हो गया था और उसकी जान बचाने के लिए पशु चिकित्सकों ने सर्जरी करने का निर्णय लिया। सांप की सर्जरी के दौरान, डॉक्टर अरविंद गुप्ता ने सांप के घायल हिस्से पर लोकल एनेस्थीसिया देकर सुन्न कर दिया। जिसके बाद डॉक्टर अरविंद गुप्ता के नेतृत्व में तीन सदस्यीय पशु चिकित्सकों की टीम ने सांप की सर्जरी की। करीब आधे घंटे तक चली सांप सर्जरी में सांप को 21 टांके आए। इस तरह डॉक्टरों की टीम ने सांप का ऑपरेशन किया और उसकी जान बचाई। डॉक्टर अरविंद गुप्ता ने बताया कि सर्प मित्र के साथ कुछ लोग घायल अवस्था में एक सांप को लेकर अस्पताल आए। जांच में पाया गया कि सांप के ऊपर वाले हिस्से में ब्रेन के पास इंजरी है।

इमरजेंसी वार्ड में डॉक्टर को पीटा, हंगामा

विदिशा। मध्य प्रदेश के विदिशा से एक बड़ी और चौंकाने वाली खबर सामने आई है। यहां अटल बिहारी वाजपेयी मेडिकल कॉलेज के इमरजेंसी वार्ड में रात के समय जोरदार हंगामा हो गया। मरीज के परिजनों ने एक डॉक्टर के साथ मारपीट कर दी। पूरा घटनाक्रम सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया है। मामला 10 जून मंगलवार की रात का है। बताया जा रहा है कि मरीज और डॉक्टर के बीच किसी बात को लेकर कहा-सुनी हो गई थी। इसके बाद डॉक्टर को ढूंढते हुए मरीज के परिजन इमरजेंसी वार्ड तक पहुंचे और यहां घुसकर डॉक्टर की पिटाई कर दी। डॉक्टर और मरीज के परिजनों के बीच जमकर हाथापाई चलती रही। मामला इतना बिगड़ गया कि सिक्योरिटी गार्ड भी संभाल नहीं पा रहे थे। दरअसल यह पहली बार नहीं है जब विदिशा मेडिकल कॉलेज पर सवाल उठे हों।

भोपाल-दिल्ली शताब्दी एक्सप्रेस पर पथराव, खिड़कियां टूटी

दहशत में यात्री, एक अन्य ट्रेन पर भी किया हमला

संवाददाता ● भोपाल

भोपाल से निजामुद्दीन (दिल्ली) जा रही शताब्दी एक्सप्रेस (122001) पर पथराव हो गया। पथराव उस समय हुआ, जब ट्रेन दतिया से सोनागिर के बीच गुजर रही थी। असामाजिक तत्वों ने ट्रेन पर पथराव कर दिया। इससे कोच C-3 की खिड़की का शीशा चकनाचूर हो गया। हमले के बाद यात्रियों में अफरा-तफरी और डर का माहौल बन गया। गंभीर बात यह रही कि इसी रूट पर चल रही एक और ट्रेन पातालकोट एक्सप्रेस को भी निशाना बनाया गया। पातालकोट के इंजन पर पत्थर फेंके गए। इससे लोको पायलट को ट्रेन रोकनी पड़ी। उन्होंने झांसी कंट्रोल को तुरंत इसकी सूचना दी। दो ट्रेनों पर पथराव से यह मामला प्रदेश में तूल पकड़ता दिख रहा है। रेलवे ने विशेष जांच के आदेश दिए हैं। घटना के बाद जैसे ही शताब्दी एक्सप्रेस ग्वालियर स्टेशन पहुंची, ट्रेन को रोककर जीआरपी और आरपीएफ ने यात्रियों से पूछताछ शुरू की। कोच C-3 की खिड़की का टूटा शीशा देखकर रेलवे अधिकारियों ने स्थिति को गंभीर माना और तुरंत जांच प्रक्रिया शुरू कर दी। दूसरी ओर, पातालकोट एक्सप्रेस की भी ग्वालियर स्टेशन पर सुरक्षा जांच की गई। RPF ने मामले में अज्ञात लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। पथराव करने वालों की तलाश तेज कर दी है। रेलवे की ओर से कहा गया कि दोषियों की पहचान कर जल्द सख्त कार्रवाई की जाएगी। बता दें कि इस तरह के पथराव की घटनाएं न केवल यात्रियों की सुरक्षा के लिए खतरा हैं, बल्कि ट्रेन परिचालन में भी बाधा उत्पन्न करती हैं। लगातार हो रही ऐसी घटनाओं पर रेलवे ने चिंता जताई है और संवेदनशील इलाकों में निगरानी बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं। रेलवे अधिकारियों के मुताबिक, सीसीटीवी फुटेज और स्थानीय सूचना के आधार पर पत्थरबाजों की पहचान की जा रही है।

पथराव

सीजीएम बोले- जांच कमेटी बनीं, एमडी बोले : सही...

टीकमगढ़। मध्य प्रदेश के टीकमगढ़ जिले में 25 करोड़ रुपये के मछली के ठेके के टेंडर में गड़बड़ी का मामला सामने आया है। आरोप है कि वानसुजारा तालाब में मछली के ठेके के लिए जारी टेंडर की शर्तों को ताक पर रखकर एक खास फर्म को फायदा पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। इसके विरोध और शिकायत के बाद भी अधिकारियों ने संबंधित फर्म के आवेदन को स्वीकार कर तकनीकी निविदा में पास कर दिया, जिससे पूरे प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल खड़े हो गए हैं। जानकारी के अनुसार, टीकमगढ़ के वानसुजारा तालाब में मछली का ठेका लेने का टेंडर भरने की अंतिम तिथि 19 मई थी, जिसमें कुल सात आवेदकों ने हिस्सा लिया। टेंडर की शर्तों के अनुसार, यदि किसी कंपनी द्वारा आवेदन किया जाता है तो कंपनी के दस्तावेज अनिवार्य हैं, जबकि व्यक्तिगत आवेदन पर व्यक्तिगत दस्तावेजों की जरूरत होती है। 20 मई को जब टेंडर खोले गए, तो एक फर्म मेसर्स चौधरी फिश सेंटर द्वारा कंपनी के रूप में आवेदन किया गया, लेकिन उसके साथ जो दस्तावेज जमा किए गए, वे किसी नईम नामक व्यक्ति के थे। यह शर्तों का सीधा उल्लंघन था।इस गड़बड़ी का अन्य प्रतिभागियों ने कड़ा विरोध किया। टेंडर समिति ने पहले संबंधित आवेदन को निरस्त करने की बात कही, लेकिन दो दिन बाद उस फर्म का फॉर्म स्वीकार कर उसे तकनीकी रूप से सही बता दिया गया। इतना ही नहीं, उसी फर्म से जुड़े तीन टेंडर भी डाले गए, जिससे संदेह और गहरा हो गया। इस मामले पर मत्स्य महासंघ के सीजीएम रवि गजभिये ने कहा है कि शिकायत पर एमडी मैडम ने जांच कमेटी गठित कर दी है। वहीं, एमडी निधि निवेदिता का कहना है कि जब टेंडर की तकनीकी निविदा खोली गई तो शिकायत आई थी, जिसके बाद सीए से अभिमत लेकर आगे की कार्रवाई की गई। वहीं, मछुआ कल्याण एवं मत्स्य विकास विभाग की एमडी निवेदिता ने कहा कि 'कंपनी का नाम लिखा था, लेकिन दस्तावेज व्यक्ति के लगे थे। हमने सीएस से अभिमत लेकर कार्रवाई की है।

25 करोड़ के मछली पालन टेंडर में गड़बड़ी का आरोप!

अहमदपुर नाबालिग दुष्कर्म-मौत मामला

सड़कों पर न्याय के लिए जलाई लौ... निकाला कैंडल मार्च, आरोपी का घर तोड़ने की मांग

संवाददाता ● भोपाल/ सीहोर

मध्य प्रदेश के सीहोर जिले के अहमदपुर में 17 वर्षीय नाबालिग के साथ हुए दुष्कर्म ओर हत्या ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया है। पीड़ित परिवार के पक्ष में अहमदपुर में चार जिलों के कुर्मी समाज के लोग एकत्रित हुए। इस दौरान शहर की फिजा तब भारी हो गई। जब हजारों लोग सड़कों पर उतर आए। हर हाथ में एक मोमबत्ती थी और हर नम आंखों में एक सवाल क्या हमारी बेटियां कभी सुरक्षित नहीं होंगी?

मामला

शासकीय अस्पताल से अहमदपुर थाने तक निकाले गए कैंडल मार्च में करीब ढाई से तीन हजार समाजजन सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। इसके बाद अहमदपुर थाने पहुंचकर ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में मांग की गई है कि हत्यारों को फांसी की सजा हो। इस मामले में जिन पुलिसकर्मियों ने बेटी के पिता के साथ मारपीट की और मामले को दबाने का प्रयास किया उन्हें बर्खास्त किया जाए, पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा मिले। केस की सुनवाई फास्ट ट्रेक कोर्ट में की जाए। अपराधियों के घर पर बुलडोजर चलाया जाए। साथ ही पीड़ित परिवार को सुरक्षा प्रदान करने मांग की गई है। नाबालिग से दुष्कर्म और मौत का मामला राजनीतिक मुद्दे के बाद अब सामाजिक मुद्दा बन गया है। पीड़ित परिवार के पक्ष में बुधवार को अहमदपुर में चार जिलों के कुर्मी समाज के लोग एकत्रित हुए, इस दौरान शाम 6 बजे से शासकीय अस्पताल के पास से शांतिपूर्ण कैंडल मार्च निकाला गया। इस कैंडिल मार्च में सैकड़ों लोग शामिल हुए।

दुष्कृत्य के बाद आरोपियों ने खिला दिया था पीड़िता को जहर

गौरतलब है कि सीहोर विधानसभा क्षेत्र के अहमदपुर के ग्राम अंतर्गत मृतका के पिता ने आरोप लगाया था कि उनकी दो बेटियां पानी भरने के लिए गई थीं, जहां जगपाल और कुलदीप उर्फ कान्हा सोलंकी ने मेरी बड़ी बेटी को पकड़ लिया और एक शटर वाली दुकान में अंदर बंद कर उसके साथ दुष्कृत्य किया। छोटी बेटी मेरे पास आई और बोली कि बड़ी बहन को जगपाल और कान्हा ने पकड़ लिया है, जब तक मैं मौके पर पहुंचा तब तक दोनों ने उसे जहर की गोलियां खिला दी थीं। बेटी की हालत गंभीर होने पर हम लोग थाने लेकर पहुंचे तो थाने में हमारी सुनवाई नहीं हुई और हमें भगा दिया गया।

पानी की पाइप लाइन पर लगा दिया बिजली का खंबा

संवाददाता ● ग्वालियर

ठेकेदार पर लगाया 25 हजार का जुर्माना

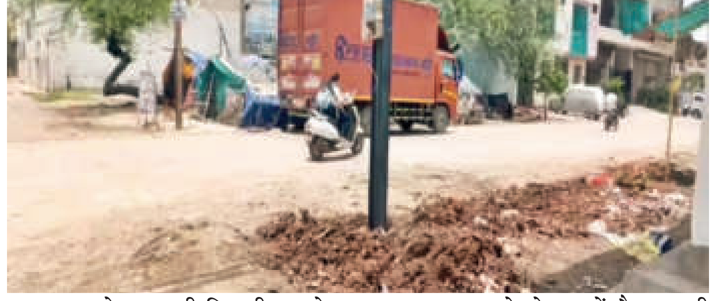

मध्य प्रदेश के ग्वालियर में बिजली विभाग का अजब-गजब कारनामा देखने मिला है। विभाग के ठेकेदार ने पानी की पाइपलाइन के ऊपर ही बिजली का खंबा लगा दिया, जिससे हजारों गैलन पानी बर्बाद हो गया। निगम के पीएचई विभाग ने लापरवाही पर 25 हजार रुपये का जुर्माना लगाया है। दरअसल मामला ग्वालियर के आनंद नगर स्थित गुरुनानक चौक का है, जहां बिजली कंपनी के ठेकेदार ने इलाके की 150 एमएम डाया की पानी की लाइन को फोड़ दिया। ठेकेदार ने पाइपलाइन के ऊपर ही बिजली का पोल लगा दिया। इससे इलाके के 3500 से ज्यादा घर पानी के लिए तरस गए क्योंकि पाइपलाइन फूटने से हजारों गैलन पानी बर्बाद होकर बह गया। स्थानीय लोगों ने जब इसकी शिकायत की, तो बिजली कंपनी का ठेकेदार पल्ला झाड़कर फरार हो गया। जिसके बाद निगम ने इस मामले में एक्शन लिया। निगम के पीएचई विभाग के सहायक यंत्री आरएस शाक्य ने बिजली कंपनी के ठेकेदार पर बिना सूचना और एनओसी के काम करते हुए पाइपलाइन तोड़ने पर 25 हजार रुपये का जुर्माना लगाया है। लाइन को दुरुस्त कर पानी की सप्लाई आज (बुधवार) से शुरू की गई है। क्षेत्रीय लोगों का कहना है कि अभी भी पोल वहीं खड़ा है। ऐसे में अर्थिंग मिलने पर करंट से बड़ा हादसा भी हो सकता है। ऐसे में बिजली का खंबा हटना चाहिए।

सोशल मीडिया पर लोग बोले - मौत एंगल बनाकर आएगी!

राजधानी के नए ओवरब्रिज में 90 डिग्री का मोड़...

संवाददाता ● भोपाल

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में ऐशबाग स्टेडियम के पास बना नया रेलवे ओवरब्रिज (आरओबी) उद्घाटन से पहले ही सुर्खियों में है। इसके चर्चा में आने का कारण है इसकी बनावट, जिसे लेकर स्थानीय लोगों ने दुर्घटना की आशंका जताई है। ऐसा इसलिए क्योंकि पुल में लगभग 90 डिग्री का तीव्र मोड़ दिया गया है। लोगों का कहना है कि यह मोड़ काफी खतरनाक हो सकता है, खासकर जब गाड़ियां गति में हों। सोशल मीडिया पर भी इस पुल की तस्वीरें शेयर की जा रही हैं और इसके डिजाइन को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं।

चर्चा

इस 648 मीटर लंबे और 8.5 मीटर चौड़े ओवरब्रिज को बनाने में 18 करोड़ रुपये की लागत आई है। लोक निर्माण विभाग (सेतु विभाग) के मुख्य अभियंता वी। डी। वर्मा ने इसके डिजाइन को लेकर बताया कि मेट्रो स्टेशन की नजदीकी और जमीन की सीमित उपलब्धता के चलते इस मोड़ के अलावा कोई विकल्प नहीं था। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इस पुल पर केवल छोटे वाहनों को ही चलने की अनुमति दी जाएगी।

ओवरब्रिज का निर्माण लगभग पूरा हो चुका है और इसके जरिए महामाई बाग, पुष्पा नगर और स्टेशन क्षेत्र के नागरिकों को राहत मिलने की उम्मीद जताई जा रही थी। पहले दावा किया गया था कि ओवरब्रिज बनने से ऐशबाग क्षेत्र के निवासियों को रेलवे फाटक पर इंतजार नहीं करना पड़ेगा और लंबा चक्कर भी नहीं लगाना होगा। सरकार का यह भी कहना है कि इस पुल से प्रतिदिन करीब तीन लाख लोगों को फायदा होगा। विभाग का दावा है कि ओवरब्रिज को इंडियन रोड कांग्रेस के दिशा-निर्देशों के अनुसार सुरक्षा मानकों के तहत तैयार किया गया है और यहां वाहन कम गति में ही चल सकेंगे। उल्लेखनीय है कि ऐशबाग रेलवे क्रॉसिंग के बंद होने के बाद से ही इस क्षेत्र में एक ओवरब्रिज की मांग उठ रही थी। इसकी निर्माण प्रक्रिया 21 मार्च 2023 से शुरू की गई थी। अब देखना होगा कि उद्घाटन के बाद यह पुल जनता की उम्मीदों पर कितना खरा उतरता है।

प्रियंका को आई पापा अशोक चोपड़ा की याद

देसी गर्ल प्रियंका चोपड़ा सोशल मीडिया पर छाई रहती हैं। वो कुछ न कुछ शेयर करती रहती हैं। प्रियंका के पापा को गए हुए 12 साल हो चुके हैं और वो उन्हें बहुत याद करती हैं। हर खास मौके पर प्रियंका अपने पापा को याद करती हैं। प्रियंका के पिता का निधन 2013 में कैंसर से हो गया था। पापा को याद करते हुए प्रियंका ने एक बचपन की फोटो शेयर की है जिसमें वो उनके साथ खेलती हुई नजर आ रही हैं। प्रियंका ने जो फोटो शेयर की है वो वेकेशन की लग रही है। जिसमें वो बर्फ में बैठकर अपने पापा के साथ एंजॉय कर रही हैं। दोनों के ही चेहरे पर एक क्यूट स्माइल है। जिसे हर कोई पसंद कर रहा है। इस फोटो को शेयर करते हुए प्रियंका ने लिखा- 'आपको रोज याद करती हूं डैड।' साथ ही पिंक हार्ट इमोजी पोस्ट की है। बता दें प्रियंका ने पापा के निधन के कुछ दिन बाद ही काम पर वापसी कर ली थी। उन्होंने अपनी फिल्म मैरी कॉम की शूटिंग शुरू कर दी थी। इस रोल के लिए उन्हें फिजिकल पावर और इमोशनल डेप्थ की जरुरत थी। उन्होंने एक बार फिल्म फेस्टिवल में बताया था कि उन्होंने उस मुश्किल समय में खुद को कैसे संभाला था। उन्होंने कहा था- मैं अपने पिता के अंतिम संस्कार के चार दिन बाद काम पर वापस चली गई थी क्योंकि मुझे पता था मेरे पापा वो ही चाहते थे और मैंने अपना सारा दर्द उन फाइट सीन्स में लगा दिया था। वर्कफ्रंट की बात करें तो प्रियंका बॉलीवुड में वापसी करने जा रही हैं। जब से फैंस को ये पता लगा है तब से उनकी खुशी का ठिकाना नहीं है। वो एसएस राजामौली की फिल्म एसएसएमबी29 में नजर आएंगी। इस फिल्म में महेश बाबू अहम किरदार निभाते नजर आएंगे।

दीपिका को 1000 करोड़ की फिल्म देने वाली पहली हिरोइन

आज हम आपको एक ऐसी एक्ट्रेस के बारे में बताने वाले हैं जिन्होंने शुरुआत तो बॉलीवुड फिल्म से की, लेकिन जब यह फिल्म चली नहीं तो उन्होंने साउथ इंडस्ट्री की तरफ एंट्री ले ली। लेकिन क्या आप जानते हैं कि यही वह एक्ट्रेस हैं जिनकी पहली फिल्म 1000 करोड़ क्लब में शामिल हुई हैं। जिस एक्ट्रेस की हम बात कर रहे हैं ना तो दीपिका पादुकोण हैं, ना कटरीना कैफ और ना ही आलिया भट्ट। वह हैं तमन्ना भाटिया। तमन्ना ने 15 साल की उम्र में एक्टिंग के करियर की शुरुआत की। उनकी पहली फिल्म थी चांद सा रौशन चेहरा, लेकिन यह चली नहीं। इसके बाद तमन्ना ने साउथ इंडियन सिनेमा में एंट्री ली और वहां अपना करियर बनाया। तमन्ना ने फिर हिम्मतवाला से फिल्म में वापसी भी की जिसमें अजय देवगन उनके साथ थे, लेकिन यह भी नहीं चली। इसके बाद तमन्ना ने हमशक्ल, एंटरटेनमेंट फिल्मों में काम किया। हालांकि बॉलीवुड में उन्हें कुछ जबरदस्त रिस्पॉन्स नहीं मिला। हालांकि तमन्ना ने तेलुगु में कई हिट फिल्में दीं जिन्हें खूब पसंद किया गया। वहीं साल 2015 में आई तमन्ना की फिल्म बाहुबली द बिगनिंग जो हिट थी। फिल्म ने वर्ल्डवाइड 600-650 करोड़ की कमाई की थी। इसके बाद तमन्ना की 2 साल बाद आई फिल्म बाहुबली 2 जिसने वर्ल्डवाइड 1810 करोड़ की कमाई की थी। इस फिल्म की कमाई के बाद वह पहली एक्ट्रेस थीं जिनकी फिल्म ने 1000 करोड़ कमाई की थी।

जिस फिल्म में गिरीं काजोल, प्रीति जिंटा वो हो गई हिट

फराह खान बोलीं- मैं तो एक-दो को धक्का

फराह खान सान्या मल्होत्रा से बात कर रही थीं। तभी उन्हें सान्या के पैर पर चोट का निशान दिखा। फराह ने पूछा तो उन्होंने बताया कि विशाल भारद्वाज की फिल्म पटाखा की शूटिंग के वक्त बाइक से एक्सीडेंट हो गया था। ये चोट का निशान उसी का है। सान्या को याद आया कि बधाई हो की शूटिंग के वक्त फर्श चमक नहीं रहा था तो इस पर तेल से पोछा लगाया गया था। सान्या ने इस पर 'मोरनी बनके' गाने पर डांस किया तो फिसल गई थीं। इस पर फराह खान बोलीं, 'जिस फिल्म में हिरोइन गिर जाती है वो हिट होती है।' सान्या बोलीं कि वह लगभग हर फिल्म में गिरी हैं। इस पर फराह ने जवाब दिया कि यही उनकी सफलता का राज है। फराह बताती हैं, 'काजोल हर फिल्म में गिरती थी जैसे कुछ कुछ होता है, हम बोलते थे कि अब ये फिल्म हिट हो जाएगी। कल हो न हो में प्रीति जिंटा पुल का एक शॉट दे रही थी और गिर पड़ी। हमको तसल्ली हो गई कि फिल्म हिट हो जाएगी। मैं तो एक-दो को धक्का मार दूं पिक्चर में।' फराह खान मल्टी टैलेंटेड हैं। वह कोरियग्राफी, डायरेक्शन,शो होस्ट के बाद अब व्लॉगिंग भी कर रही हैं। उनके कुकिंग व्लॉग्स लोगों को पसंद आ रहे हैं। फराह किसी सिलेब्रिटी के घर अपने कुक दिलीप को लेकर जाती हैं। वहां खाने के साथ खूब मस्ती भी होती है। इंट्रेस्टिंग बात है कि फराह के कुक दिलीप भी अब पॉप्युलर हो चुके हैं। वह शाहरुख खान के साथ ऐड शूट कर चुके हैं।

'पीछे से आकर उसने मेरे प्राइवेट पार्ट को दबोचा' रणबीर कपूर की एक्स संग घिनौनी हरकत

फिल्म इंडस्ट्री में कई ऐसी अदाकारा हैं जो कि काफी मशहूर हैं और उनको बड़े नामें में गिना जाता है। जिनको एक झलक देखने के लिए लोग परेशान रहते हैं। लेकिन इनमें से कइयों ने जीवन में इतना कुछ सहा है जो कि आपको हैरान कर देगा। आज हम एक अदाकारा को लेकर बात करें जो कि स्टारकिड भी हैं। उन्होने एक बार खुलासा किया था कि कैसे वो मोलेस्टेशन का शिकार हुईं थीं और एक शख्स ने कितनी घटिया हरकत की थी। हम बात कर रहे हैं सोनम कपूर की। अनिल कपूर की बेटी और मशहुर अभिनेत्री सोनम कपूर ने कुछ साल पहले एक डरावनी बात का खुलासा किया था। उनका कहना था कि कैसे बेहद छोटी उम्र में एक शख्स ने उनके ब्रेस्ट पर हाथ लगाया था। सोनम कपूर ने इस किस्से पर बात करते हुए कहा कि वो फिल्म देखने के लिए अपने दोस्तों के साथ थिएटर गईं थीं। तब ये हादसा हुआ थीं, इस दौरान वो महज 15-16 की थीं। सोनम बोलीं, 'वहां एक आदमी था जो पीछे से आया और उसने मेरे ब्रेस्ट को ऐसे ही पकड़ लिया। और जाहिर है, उस समय मेरे ब्रेस्ट नहीं थे। मैं हिलने और कांपने लगी और मुझे नहीं पता था कि क्या हो रहा है और मैं वहीं रोने लगी।

अविका गौर ने 6 साल बड़े बॉयफ्रेंड से सगाई की

इंस्टाग्राम पर शेयर कीं खूबसूरत तस्वीरें, फैंस ने दी बधाई, सोशल एक्टिविस्ट हैं मिलिंद चंदवानी

'बालिका वधू' फेम अविका गौर ने आखिरकार अपने लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड मिलिंद चंदवानी से सगाई कर ली है। सगाई की तस्वीरें एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम पर शेयर कीं। इसके बाद से ही उनके दोस्तों और फैंस की ओर से उन्हें ढेरों बधाइयां मिल रही हैं। अविका गौर ने तस्वीरों को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, 'उसने पूछा, मैं मुस्कुराई, मैं रोई। और फिर जोर से चिल्ला पड़ी। मैं पूरी तरह से फिल्मी हूं। लेकिन वह शांत है। मैं नखरे करती हूं और वह उसे उठाता है। हम दोनों एक-दूसरे के लिए बने हैं। जब उसने पूछा, तो मैं भावुक हो गई और हां कह दिया। सच्चा प्यार परफेक्ट नहीं होता, लेकिन यह जादुई होता है।' इस पोस्ट पर रिद्धिमा पंडित, आशका गोरड़िया, सायंतनी घोष, मानसी श्रीवास्तव, अनूप सोनी, आर्यमन सेठ, समेत एक्ट्रेस के कई फैंस ने भी दोनों को सगाई की बधाई दी है। मिलिंद चंदवानी 'रोडीज' के एक्स-कंटेस्टेंट रह चुके हैं और एक सोशल एक्टिविस्ट भी हैं। अविका ने 2020 में कोरोना काल के दौरान मिलिंद के साथ अपना रिश्ता ऑफिशियल किया था। मिलिंद, अविका से 6 साल बड़े हैं। अविका ने 2008 में अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत टेलीविजन सीरियल 'बालिका वधु' से की थी जिसके लिए उन्हें उन्हें बेहद लोकप्रियता मिली। इसके बाद वह 'ससुराल सिमर का', 'लाडोः वीरपुर की मर्दानी' और नॉन फिक्शन शो जैसे 'झलक दिखला जा(सीजन 5)', 'बॉक्स क्रिकेट लीग (सीजन 2)', 'फियर फैक्टरः खतरों के खिलाड़ी 9' में नजर आ चुकी हैं। 2013 में अविका ने फिल्मों का रुख भी किया। वह तेलुगू और कन्नड़ फिल्मों में नजर आ चुकी हैं।

एक-दूसरे को पसंद नहीं करते रणबीर कपूर और रणवीर सिंह?

करण जौहर बोले- दोनों बहुत अच्छे दोस्त हैं, उनके बीच कोई ईगो नहीं है

रणबीर कपूर और रणवीर सिंह को लेकर अक्सर सोशल मीडिया पर चर्चा होती है कि भले ही दोनों कैमरे के सामने अच्छे दोस्त नजर आते हैं, लेकिन असल जिंदगी में उनके रिश्ते में कड़वाहट है। यहां तक कहा जाता है कि दोनों के बीच ईगो क्लैश भी होता है। अब इस मामले पर करण जौहर ने अपना रिएक्शन दिया है। करण जौहर ने कहा, मैं रणबीर कपूर और रणवीर सिंह दोनों के ही बेहद करीबी हूं। दोनों एक-दूसरे को बहुत अच्छे से समझते हैं। रही बात ईगो क्लैश की तो ऐसा कुछ नहीं है। इस तरह की सोच अब पुरानी हो चुकी है। मैं ऐसा नहीं सोचता और मुझे यकीन है कि वो भी नहीं सोचते। मुझे याद है कि जब ऐ दिल है मुश्किल रिलीज हुई थी, तो रणवीर मेरे घर आए थे और उन्होंने फिल्म देखने के बाद अपने विचार शेयर किए थे। वो बहुत शानदार था। फिर रणबीर ने मुझे रॉकी और रानी की प्रेम कहानी पर अपनी प्रतिक्रिया दी थी। मुझे लगता है कि हम सबसे पहले दोस्त हैं। हम एक-दूसरे के साथ समय बिताते हैं, बातें करते हैं, और अपनी निजी जिंदगी और भावनाओं के बारे में भी चर्चा करते हैं। बता दें कि रणबीर कपूर और दीपिका पादुकोण एक-दूसरे को डेट कर चुके हैं। हालांकि बाद में दोनों का ब्रेकअप हो गया। अब दोनों अपनी-अपनी जिंदगी में आगे बढ़ चुके हैं।

एक्टर के किस करने पर रवीना टंडन को हुई उल्टी

रवीना टंडन 90 के दशक की स्टार एक्ट्रेस रही हैं। एक्टिंग, खूबसूरती के साथ वो अपने बोल्डनेस के लिए भी जानी जाती थीं। रवीना ने स्क्रीन पर टिप-टिप बरसा जैसा सेंशुअस गाना भी किया है। हालांकि, वो किसिंग सीन को लेकर सहज नहीं थीं। उन्होंने नो किसिंग सीन की पॉलिसी रखी थी। हाल ही में एक्ट्रेस ने खुलासा किया कि सेट पर हीरो ने उन्हें अचानक किस कर लिया था, जिससे उन्हें घिन आई और वो सीधे ब्रश करने चली गईं। इंटरव्यू में रवीना इस घटना और नो किस पॉलिसी पर बात की। उन्होंने बताया कि नो किसिंग सीन को लेकर कोई कॉन्ट्रैक्ट नहीं था, लेकिन उन्होंने यह स्पष्ट कर दिया था कि वह कभी भी किसी को-एक्टर को पर्दे पर किस नहीं करेंगी। लेकिन एक बार शूटिंग के दौरान हीरो ने सीन को बुरी तरह से हैंडल किया। रवीना कहती हैं- 'मुझे याद है कि मैं एक मेल एक्टर के साथ थोड़ा रफ हैंडलिंग सीन कर रही थी और गलती से उनके लिप मेरे लिप से टच हो गए थे। यह गलती से हुआ, इसकी जरूरत भी नहीं थी। यह एक गलती थी।' एक्ट्रेस ने खुलासा किया कि उस घटना के बाद उन्हें घिन आ रही थी और उन्होंने उल्टी हो गई। रवीना ने कहा, 'मैं अपने कमरे में गई और उल्टी कर दी क्योंकि मैं बिल्कुल भी सहज नहीं थी। शॉट खत्म हो गया और मैं ऊपर चली गई। मुझे उल्टी सी महसूस हुई। मैं इसे बर्दाशत नहीं कर सकी। मैंने खुद से कहा नहीं। प्लीज अपने दांत साफ करो, अपना मुंह सौ बार धोओ।' रवीना ने आगे बताती हैं कि हालांकि, उस एक्टर का ऐसा कोई इरादा नहीं था, यह गलती से हुआ था। बाद में, एक्टर ने शॉट के बाद उनसे माफी भी मांगी थी।

धमाल मचा रही है 'हाउसफुल 5', बुधवार को भी करोड़ों में रही कमाई

हाउसफुल फ्रेंचाइजी की कॉमेडी-ड्रामा 'हाउसफुल 5' मूवी बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही है। इस फिल्म के रिलीज का फैंस लंबे समय से बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। 6 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हुई इस मल्टीस्टारर फिल्म में बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार, अभिषेक बच्चन और रितेश देशमुख लीड रोल में नजर आ रहे हैं। 'हाउसफुल 5' की कहानी एक बार फिर से दर्शकों को काफी पसंद आ रही है। इस फिल्म को क्रिटिक्स के भी अच्छे रिव्यू मिल रहे हैं। आज फिल्म को रिलीज हुए छह दिन हो गए हैं। ऐसे में अब 'हाउसफुल 5' के बुधवार के दिन के आंकड़े सामने आ चुके हैं। 'हाउसफुल 5' में अक्षय कुमार, रितेश देशमुख और अभिषेक बच्चन के अलावा संजय दत्त, जैकी श्रॉफ, नाना पाटेकर, जैकलीन फर्नांडिस, सोनम बाजवा, सौंदर्या शर्मा, चित्रांगदा सिंह,डीनो मोरिया और नरगिस फाखरी जैसे कलाकार हैं। फिल्म में अक्षय, रितेश और अभिषेक की तिकड़ी ने कमाल कर दिखाया। वीकेंड ही नहीं, बल्कि 'हाउसफुल 5' वीकडेज में शानदार कमाई कर रही है। 'हाउसफुल 5' ने ओपनिंग डे पर 24 करोड़ रुपए से खाता खोला।

विक्रांत की 'आंखों की गुस्ताखियां' का गाना नजारा हुआ रिलीज, शनाया कपूर संग दिखी किलर केमिस्ट्री

विक्रांत मैसी और शनाया कपूर की आने वाली फिल्म 'आंखों की गुस्ताखियां' का गाना 'नजारा' रिलीज हो गया है। ये गाना आपको मीठे और सच्चे प्यार की मासूमियत को फिर से महसूस कराएगा। इस म्यूजिकल रोमांटिक फिल्म के मेकर्स ने हाल ही में ये नया गाना रिलीज किया है, जिसमें विक्रांत और शनाया की छू लेने वाली केमिस्ट्री की झलक दिख रही है। ये ऑनस्क्रीन अनुभव आपको प्यार की पवित्रता का एहसास कराने का वादा करता है। पहले प्यार की धड़कन से लेकर आंखों के इशारे, मुस्कान का आदान-प्रदान और इनके बीच सबकुछ, विक्रांत मैसी और शनाया कपूर ने प्यार के रोमांच को जीवंत कर दिया है। ये दोनों भले ही इस एहसास को पर्दे पर लाए हैं, लेकिन गाने की अपील विशाल मिश्रा की आवाज, कंपोजिशन और बोल से और बढ़ गई है। कुमार गौरव सिंह ने संगीत में सहायता की है, जबकि कंदरपा कलिता ने प्रोडक्शन और गिटार का काम संभाला है। गाने की रिकॉर्डिंग, मिक्सिंग और मास्टरिंग का काम त्रिहांकू लाहकर ने किया है, जबकि बिटूपोन बोरुआ ने गाने के प्रोडक्शन का जिम्मा संभाला है।

गाने के बारे में बात करते हुए विशाल मिश्रा कहते हैं, 'आंखों की गुस्ताखियां के लिए नजारा गाने को कंपोज करना मेरे लिए सबसे निजी यात्राओं में से एक रहा है। पहली धुन से ही, मैं एक ऐसी धुन बनाना चाहता था जो हमेशा याद रहे, कुछ ऐसा जो चुपचाप आपके दिल को छू जाए और आपके साथ रहे। गाने के बोल मासूमियत और भावनाओं से बुने गए हैं, जो पहले प्यार और इत्तेफाक से हुई मुलाकातों के कोमल जादू की गूंज हैं। नजारा एक उत्सव है, उस तरह के प्यार का जो आपको

अचानक चौंका देता है और एक याद की तरह बना रहता है। मुझे सच में उम्मीद है कि यह लोगों को फिर से प्यार में विश्वास दिलाएगा।'

अब जबकि गाने ने विक्रांत और शनाया के गहरे रिश्ते की एक झलक दे दी है, दर्शक फिल्म में उनकी पेशकश देखने के लिए उत्सुकता से इंतजार कर रहे हैं, जो जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज होगी। जी स्टूडियोज और मिनी फिल्म्स द्वारा प्रस्तुत और मानसी बागला, वरुण बागला और ओपन विंडो फिल्म्स द्वारा निर्मित, 'आंखों की गुस्ताखियां' का निर्देशन संतोष सिंह ने किया है और इसे मानसी बागला ने लिखा है। विशाल मिश्रा ने इसका संगीत दिया है। विक्रांत मैसी और शनाया कपूर स्टारर ये रोमांटिक म्यूजिकल फिल्म 11 जुलाई 2025 को सिनेमाघरों में अपना जादू बिखेरने के लिए तैयार है।

पैट कमिंस का कहर, साउथ अफ्रीका की पारी 138 पर सिमटी, ऑस्ट्रेलिया को बड़ी बढ़त

एजेंसी ● लॉर्ड्स

लॉर्ड्स वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025 का फाइनल मैच ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका के बीच लॉर्ड्स में खेला जा रहा है। मैच के पहले दिन टॉस जीतकर साउथ अफ्रीका ने पहले गेंदबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलिया को 212 रन पर ऑल आउट कर दिया था। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया ने भी गेंदबाजी में दम दिखाया और साउथ अफ्रीका की धज्जियां उड़ा दी। ऑस्ट्रेलिया के गजब कमबैक में उनके कप्तान पैट कमिंस ने अहम भूमिका निभाई। साउथ अफ्रीका 138 रन पर सिमट गई। ऑस्ट्रेलिया के पास अब 74 रन की बढ़त है।

पैट कमिंस ने लिए 6 विकेट

ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल की पहली पारी में गजब गेंदबाजी की और पंजा खोलते हुए 6 विकेट ले लिए। कमिंस ने 18.1 ओवर में सिर्फ 28 रन दिए और

6 खिलाड़ियों को पवेलियन का रास्ता दिखाया। पैट कमिंस ने वियान मुल्डर, टेम्बा बावुमा, डेविड बेडिंघम, काइल वेरेनिन, मार्को यानसन और कागिसो रबाडा का शिकार किया। खेल के दूसरे दिन 6 में से 5 विकेट पैट कमिंस ने लिए।इस शानदार परफॉर्मेंस के साथ पैट कमिंस ने टेस्ट क्रिकेट में अपने 300 विकेट भी पूरे कर लिए हैं। वह टेस्ट में 300 विकेट लेने वाले ऑस्ट्रेलिया की तरफ से आठवें गेंदबाज बन गए हैं। बता दें कि पैट कमिंस ने 2011 में टेस्ट में डेब्यू किया था उसके बाद 6 साल तक वह ऑस्ट्रेलिया की टेस्ट टीम से दूर रहे थे। कमिंस ने अपने करियर का दूसरा टेस्ट फिर 2017 में खेला था। साउथ अफ्रीका की बल्लेबाजी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल की पहली पारी में पूरी तरह से फ्लॉप हो गई। टॉप ऑर्डर पूरी तरह से फ्लॉप रहा। साउथ अफ्रीका ने डिफेंसिव अप्रोच अपनाई, जिससे वह दबाव में आ गए। अफ्रीका के लिए सर्वाधिक 45 रन डेविड बेडिंघम ने बनाए। इसके अलावा कप्तान टेम्बा बावुमा ने भी 36 रन की पारी खेली।

रोहित-विराट और अश्विन के बिना गंभीर ने टीम इंडिया में फूंकी जान

एजेंसी ● नई दिल्ली

नई दिल्लीः भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने अपनी टीम से अपने ह्यकम्फर्ट जोनह्ल (सहज स्थिति) से बाहर निकलने और संन्यास ले चुके स्टार खिलाड़ियों विराट कोहली, रोहित शर्मा तथा आर अश्विन की अनुपस्थिति में इंग्लैंड के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज को ह्ययादगारह्ल बनाने को कहा। भारत 2007 के बाद इंग्लैंड में अपनी पहली सीरीज जीतने के इरादे से उतरेगा। दोनों टीम के बीच पांच मैच की टेस्ट सीरीज 20 जून को लीड्स में पहले टेस्ट के साथ शुरू होगी।

गंभीर ने ह्यबीसीसीआई.टीवी से अश्विन, रोहित और कोहली के हाल ही में संन्यास का जिक्र करते हुए कहा, ह्यइस दौरे को देखने के दो तरीके हैं। एक तो यह कि हम अपने तीन सबसे अनुभवी खिलाड़ियों के बिना हैं या हमें देश के लिए कुछ खास करने का यह अभूतपूर्व अवसर मिला है। भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज ने कहा कि वह शुभमन गिल की अगुवाई वाली मौजूदा टीम में कुछ खास हासिल करने के लिए ह्यजुनून और प्रतिबद्धता महसूस कर सकते हैं।उन्होंने कहा, ह्यजब मैं इस समूह को देखता हूं तो मुझे कुछ खास करने की भूख, जुनून और प्रतिबद्धता दिखती है। अगर हम त्याग करते हैं, अगर हम अपनी सहज स्थिति से बाहर आते हैं, अगर हम हर दिन नहीं बल्कि हर सत्र, हर घंटे और हर गेंद पर चुनौती पेश करना शुरू करते हैं तो मुझे लगता है कि हम इसे एक यादगार दौरा बना सकते हैं।

शुभमन गिल ने भी की टीम से बात

कप्तान शुभमन गिल ने अपने साथियों से खुद को थोड़ा दबाव में रखने का आग्रह किया जिससे कि श्रृंखला शुरू होने पर वे परिस्थितियों से प्रभावित नहीं हों।गिल ने कहा, ह्यआइए प्रत्येक नेट सत्र को सार्थक बनाएं। आइए खुद को थोड़ा दबाव में रखें। जब हम मैदान पर उतरते हैं तो इसका मतलब सिर्फ मैदान पर जाकर टिके रहना नहीं होता, आइए हम अपने खेल का पता लगाएं, जब हम पर दबाव डाला जाएगा तो हम कैसे खेलेंगे - चाहे वह गेंदबाज हो या बल्लेबाज।

मारिया मे को एनएक्सटी में कैसे मिला नया नाम

नई दिल्ली। मारिया मे, जिन्हें अब ब्लेक मोनरो के नाम से जाना जाता है, ने अपने नए हहए नाम के बारे में जानकारी दी है। कुछ हफ्तों पहले ठळ में डेब्यू करने के बाद से ही उनके नाम बदलने की उम्मीद थी। इस बात की पुष्टि इस हफ्ते के एपिसोड में एक वीडियो पैकेज के जरिए हुई। वीडियो में ब्लेक मोनरो को फीमेल स्टार के नए नाम के तौर पर दिखाया गया। उनके नाम का दूसरा भाग, मोनरो, मशहूर अभिनेत्री मर्लिन मोनरो से प्रेरित है। लेकिन फैंस को उनके पहले नाम के बारे में ठीक से पता नहीं था। कई लोगों का मानना था कि बेहतर पहचान के लिए उन्हें अएह वाला नाम ही रखना चाहिए था। 26 साल की ब्लेक मोनरो ने बुधवार को अपनी भतीजी के साथ एक फोटो पोस्ट की। इसके साथ उन्होंने कैप्शन में 'इ' लिखा। इससे पता चलता है कि उनके नाम का पहला भाग उनकी भतीजी से प्रेरित है।ब्लेक मोनरो ने 3 जून को ठळ में डेब्यू किया।

मिचेल स्टार्क के नाम हुआ मोहम्मद शमी का वर्ल्ड रिकॉर्ड, डब्ल्यूटीसी फाइनल में ऑस्ट्रेलियाई पेसर ने रचा इतिहास

एजेंसी ● लंदन

मिचेल स्टार्क दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025 फाइनल में ऑस्ट्रेलिया की गेंदबाजी की अगुवाई कर रहे हैं। लंदन के लॉर्ड्स मैदान पर खेले जा रहे इस मुकाबले के पहले दिन बाएं हाथ के तेज गेंदबाज स्टार्क ने दो विकेट अपने नाम किए। स्टार्क ने दक्षिण अफ्रीका की पहली पारी के पहले ओवर की आखिरी गेंद पर एडन मार्करम को बिना खाता खोले पवेलियन भेजा। इसके बाद उन्होंने बाएं हाथ के विकेटकीपर बल्लेबाज रेयान रिकेल्टन का शिकार किया। उन्होंने 23 गेंदों में 3 चौकों की मदद से 16 रन बनाए और स्लिप में उस्मान ख्वाजा के हाथों कैच आउट हुए।

आईसीसी फाइनल के सबसे सफल बॉलर बने स्टार्क

इन दो विकेट के साथ मिचेल स्टार्क ने बड़ा कारनामा कर दिया है। वह आईसीसी इवेंट के फाइनल मुकाबले में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए हैं। दो विकेट के साथ उन्होंने आईसीसी फाइनल्स में अपने विकेटों की संख्या 11 तक पहुंचा दी। स्टार्क ने अब तक ऑस्ट्रेलिया के लिए दो वनडे वर्ल्ड कप, एक टी20 वर्ल्ड कप और दो डब्ल्यूटीसी फाइनल खेले हैं।2015 के वनडे वर्ल्ड कप फाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ उन्होंने 2 विकेट लेकर 20 रन दिए थे। 2023 वनडे वर्ल्ड कप फाइनल में भारत के खिलाफ नरेंद्र मोदी स्टेडियम में उन्होंने 55 रन देकर 3 विकेट हासिल किए थे। वहीं, 2021 में दुबई में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेले गए टी20 वर्ल्ड कप फाइनल में स्टार्क कोई विकेट नहीं ले सके और 4 ओवर में 60 रन लुटाए। 2023 के डब्ल्यूटीसी फाइनल में स्टार्क ने भारत के खिलाफ दोनों पारियों में दो-दो विकेट झटके थे।मिचेल स्टार्क ने भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को पीछे छोड़ा है। शमी के नाम आईसीसी इवेंट के फाइनल में 10 विकेट हैं। शमी ने दो डब्ल्यूटीसी फाइनल, एक वनडे वर्ल्ड कप और एक चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल में हिस्सा लिया है और कुल 10 विकेट चटकाए हैं। इनमें 8 विकेट उन्होंने डब्ल्यूटीसी फाइनल्स में लिए, जबकि 2023 के वनडे वर्ल्ड कप और 2025 की चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में एक-एक विकेट लिया। न्यूजीलैंड के पूर्व तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट के नाम क्छ3 फाइनल्स में 8 विकेट हैं।

टेम्बा बावुमा के बल्ले से निकला डब्ल्यूटीसी फाइनल का पहला छक्का

लंदन। आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के पहले दिन आखिरी सेशन में ऑस्ट्रेलिया के गेंदबाजों का दबदबा था। लॉर्ड्स के मैदान पर 212 रनों पर ऑलआउट होने के बाद ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क, जोश हेजलवुड और पैट कमिंस ने खतरनाक बॉलिंग की। इसका नतीजा ये रहा है कि 22 ओवर में साउथ अफ्रीका की टीम 4 विकेट पर 43 रन ही बना पाई। साउथ अफ्रीका के बल्लेबाज पूरी तरह बैकफुट पर नजर आ रहे थे। कप्तान टेम्बा बावुमा को खाता खोलने में 31 गेंद लग गए।मैच के दूसरे दिन साउथ अफ्रीका के बल्लेबाज अलग इंटेंट के साथ मैदान पर उतरे। टेम्बा बावुमा और डेविड बेडिंघम ने मौका मिलने पर हाथ खोलने शुरू कर दिए। इस बीच साउथ अफ्रीका के कप्तान टेम्बा बावुमा ने मैच का पहला छक्का लगाया। उन्होंने विपक्षी कप्तान पैट कमिंस की गेंद पर यह छक्का उड़ाया। 35वें ओवर में कमिंस ने पटकी हुई गेंद डाली। बावुमा ने इसी पुल करते हुए डीप स्क्वायर लेग बाउंड्री के बाहर भेज दिया।टेम्बा बावुमा और डेविड बेडिंघम के बीच पांचवें विकेट के लिए 64 रनों की साझेदारी हुई। इस साझेदारी में बावुमा ने 48 गेंद पर 34 रनों का योगदान दिया। 40वें ओवर में ऑस्ट्रेलिया कप्तान पैट कमिंस ने ही बावुमा की पारी का अंत कर दिया। वह 84 गेंद पर 36 रन बनाकर आउट हुए। इस पारी में 4 चौके और एक छक्का शामिल थे। बावुमा ने कमिंस की गेंद पर ड्राइव लगाया लेकिन वह कवर में फील्डिंग कर रहे मार्नस लाबुशेन के हाथों में चली गई।विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में साउथ अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिल रही है।

11 मैचों में 9 शतक... भारत में नहीं मिला मौका तो अमेरिका पहुंचा फिल्म डायरेक्टर का बेटा, पूरन की कप्तानी में खेलेगा

नई दिल्लीः मिजोराम और मुंबई के अंडर 19 कप्तान अग्नि चोपड़ा ने कुछ समय पहले ही भारतीय क्रिकेट से रिटायरमेंट ले लिया था। उसके बाद उन्होंने मेजर क्रिकेट लीग के ड्राफ्ट में अपना नाम दिया था। उनको एमआई न्यू यॉर्क ने ड्राफ्ट के दौरान चुना भी था। अग्नि ने हालांकि रिटायरमेंट से पहले घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन किया था। मुंबई में ज्यादा मौका न मिलने की वजह से वह मिजोराम चले गए थे। उन्होंने अपने पहले चार रणजी ट्रॉफी मैचों में चार शतक जड़कर रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज कराया था। ब्रैडमैन के समान 94.94 के प्रथम श्रेणी औसत के बावजूद उन्होंने नए मौके तलाशने के लिए भारतीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था।

एमआई न्यूयॉर्क में वेस्टइंडीज के पूर्व विस्फोटक विकेटकीपर बल्लेबाज निकोलस पूरन की कप्तानी में अब अग्नि चोपड़ा खेलते हुए नजर आएंगे। पूरन को हाल ही में फ्रेंचाइजी ने अपना कप्तान नियुक्त किया है। बता दें कि पूरन ने कुछ ही दिन पहले इंटरनेशनल क्रिकेट से रिटायरमेंट लिया था। पूरन

एमआई न्यूयॉर्क से पहले आईपीएल में लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए खेल रहे थे।अग्नी चोपड़ा लोकप्रिय फिल्म डाइयरेक्टर विधु विनोद चोपड़ा के बेटे हैं। विधु विनोद ने '3 इडियट्स' को भी प्रोड्यूस किया था। इसके अलावा उन्होंने '12ङ्क फेल' भी उन्हीं की मूवी है। विधु विनोद इस मूवी के डाइरेक्टर थे।

अग्नि चोपड़ा का डॉमेस्टिक करियर

26 साल के अग्नि चोपड़ा ने अपने डॉमेस्टिक करियर में कुल 11 प्रथम श्रेणी मुकाबले खेले हैं, जिसमें उन्होंने 94.94 की एवरेज से 1804 रन बनाए हैं। उनके नाम फर्स्ट क्लास क्रिकेट में 9 शतक और 5 अर्धशतक हैं। 26 साल के अग्नि चोपड़ा ने अपने डॉमेस्टिक करियर में कुल 11 प्रथम श्रेणी मुकाबले खेले हैं, जिसमें उन्होंने 94.94 की एवरेज से 1804 रन बनाए हैं। उनके नाम फर्स्ट क्लास क्रिकेट में 9 शतक और 5 अर्धशतक हैं। चोपड़ा ने 12 लिस्ट ए मुकाबले खेले हैं, जिसमें उन्होंने 2 फिफ्टी के साथ 299 रन बनाए हैं। वहीं 14 टी20 में अग्नि ने 137.61 के स्ट्राइक रेट और 4 अर्धशतक के बूते 439 रन बनाए हैं।

बंदूकबाज मनु भाकर तुमसे ऐसी उम्मीद नहीं थी! विश्व कप फाइनल में टॉप-5 से बाहर, गोल्डन मौका चूक गईं

म्यूनिखः पेरिस ओलंपिक की पदक विजेता मनु भाकर और सीनियर निशानेबाज चैन सिंह ने चल रहे आईएसएसएफ विश्व कप में अपनी-अपनी स्पधाओं के फाइनल में जगह बनाई लेकिन पोडियम स्थान हासिल नहीं कर सके जिससे भारत बुधवार को एक भी पदक नहीं जीत पाया। ओलंपिक में दो कांस्य पदक जीतने वाली निशानेबाज मनु भाकर 25 मीटर पिस्टल में आठ निशानेबाजों के फाइनल में छठे स्थान पर रहीं। इससे पहले क्वालीफाइंग दौर में उन्होंने 588 के कुल स्कोर के साथ पांचवां स्थान हासिल किया था।

चैन सिंह ने क्वालिफिकेशन राउंड में अच्छे स्कोर के आधार पर पुरुषों की 50 मीटर राइफल 3-पोजिशन स्पर्धा के फाइनल में जगह बनाई, लेकिन आठ निशानेबाजों के पदक राउंड में सातवें स्थान पर रहे। मंगलवार को प्रतियोगिता के पहले दिन भारत ने महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में कांस्य पदक जीता था। उसे यह पदक एलावेनिल वलारिवान ने दिलाया था।

मनु भाकर ने प्रिसिशन में 290 और रैपिड फायर राउंड में शानदार प्रदर्शन करके 298 अंक हासिल किए थे लेकिन फाइनल में उनका प्रदर्शन अपेक्षानुरूप नहीं रहा।चीन की सुन युजी ने 38 अंकों के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि कोरिया की ओह येजिन और यांग जिन ने क्रमशः 36 और 32 अंकों के साथ रजत और कांस्य पदक हासिल किया। भाकर तीसरे एलिमिनेशन राउंड से आगे नहीं बढ़ सकीं और उन्होंने 20 अंकों के साथ अपने अभियान का समापन किया। एशियाई खेलों में कई बार पदक जीतने वाली ईशा सिंह 585 के स्कोर के साथ 11वें स्थान पर रहीं और आठ निशानेबाजों के फाइनल में जगह नहीं बना सकीं।

इंडियानापोलिस में एनबीए फाइनल बास्केटबॉल श्रृंखला के गेम 3 के पहले हाफ के दौरान ओक्लाहोमा सिटी थंडर गार्ड एलेक्स कारुसो (9) और गार्ड लुगुएंट्ज डॉर्ट (5) के साथ इंडियाना पेसर्स सेंटर माइल्स टर्नर द्वारा एनईईटी यूजी परीक्षा के लिए उपस्थित होने की प्रतीक्षा कर रहे उम्मीदवार।

वैभव सूर्यवंशी ने सिर्फ 90 गेंद पर 190 रन ठोक दिए? राजस्थान रॉयल्स ने शेयर किया वीडियो

एजेंसी ● नई दिल्ली

आईपीएल 2025 में राजस्थान रॉयल्स के लिए धमाकेदार प्रदर्शन करने वाले बिहार के 14 वर्षीय क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी ने एक बार फिर अपनी जबरदस्त फॉर्म से सबको प्रभावित किया है। भारत की आगामी अंडर-19 इंग्लैंड दौरे से पहले, सूर्यवंशी ने एक अभ्यास मैच में केवल 90 गेंदों में 190 रन ठोक दिए। मीडिया रिपोर्ट्स में यह दावा किया जा रहा है लेकिन नवभारतटाइम्स ऑनलाइन इस स्कोर की पुष्टि नहीं कर पाया है।राजस्थान रॉयल्स ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें यह युवा बल्लेबाज चारों ओर चौके-छक्कों की बारिश करता नजर आ रहा है।

हालांकि यह वीडियो कब और कहां का है, इसके बारे में जानकारी नहीं है। भारतीय अंडर-19 टीम इंग्लैंड के खिलाफ 27 जून से शुरू होने वाले दौरे पर पांच यूथ वनडे और दो यूथ टेस्ट मैच खेलेगी। ये सभी मैच इंग्लैंड के काउंटी ग्राउंड, होव में होंगे। सूर्यवंशी को पिछले महीने अयुष म्हात्रे की अगुवाई

वाली भारतीय अंडर-19 टीम में शामिल किया गया था। अब वे इस दौरे के लिए जल्द ही इंग्लैंड रवाना होंगे।वैभव सूर्यवंशी ने राजस्थान रॉयल्स की ओर से आईपीएल 2025 में कुल सात मैच खेले। एक शतक और एक अर्धशतक की मदद से कुल 252 रन बनाए। उन्होंने 19 अप्रैल 2025 को जयपुर में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ अपना आईपीएल डेब्यू किया और शार्दुल ठाकुर की पहली ही गेंद पर छक्का जड़कर खाता खोला। अपने डेब्यू मैच में उन्होंने केवल 20 गेंदों में 34 रन बनाए, जिसमें दो चौके और तीन छक्के शामिल थे।

जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में गुजरात टाइटंस के खिलाफ खेलते हुए उन्होंने मात्र 38 गेंदों में 101 रनों की विस्फोटक पारी खेली। उन्होंने महज 35 गेंदों में शतक पूरा कर इतिहास रच दिया। वह टी20 क्रिकेट में सबसे कम उम्र में शतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए और साथ ही किसी भारतीय द्वारा सबसे तेज आईपीएल शतक बनाने का रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया। उनकी इस पारी में 11 छक्के शामिल थे ।

अहमदाबाद में जगन्नाथ यात्रा की तैयारी शुरू हो गई। इस दौरान श्रद्धालु कलश लेकर निकले । जहां गजराज एक कलश में लगी पत्तियों को खाने की कोशिश करता हुआ।

शॉर्ट न्यूज

दक्षिण अफ्रीका के पूर्वी केप प्रांत में बाढ़ से 49 लोगों की मौत

जोहानिसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका के पूर्वी केप प्रांत में आई बाढ़ में अब तक 49 लोगों की मौत हो चुकी है। अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि मरने वालों की संख्या और बढ़ सकती है क्योंकि कई लोग अब भी लापता हैं और तलाश जारी है। यह आपदा मंगलवार सुबह तब शुरू हुई जब एक तेज तूफान ने क्षेत्र में भारी बारिश, तेज हवाएं और कुछ इलाकों में बर्फबारी भी ला दी। पूर्वी केप प्रांत, जो देश के सबसे गरीब इलाकों में से एक है, इस आपदा से सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ है। पूर्वी केप के प्रीमियर ऑस्कर माबुयाने ने कहा, "जैसे-जैसे हम बात कर रहे हैं, और शव मिल रहे हैं। यह हमारे प्रांत की सबसे भीषण प्राकृतिक आपदाओं में से एक है। मैंने इससे पहले ऐसा कुछ नहीं देखा।"

फ्रांस में 3 नाबालिगों पर यहूदी लड़की के गैंगरेप का आरोप

पेरिस। फ्रांस में तीन नाबालिग लड़कों के खिलाफ एक यहूदी लड़की से गैंगरेप के आरोप में मुकदमा शुरू हो गया है। इन लड़कों पर आरोप है कि उन्होंने पिछले साल पेरिस में 12 साल की एक यहूदी लड़की के साथ सामूहिक बलात्कार किया और इस दौरान यहूदी-विरोधी अपशब्द कहे। मामले की सुनवाई जुवेनाइल कोर्ट में बंद कमरे में हो रही है। सरकारी वकील का कहना है कि इस घटना ने फ्रांस में तनाव को और बढ़ा दिया है, खासकर जब देश संसदीय चुनावों की ओर बढ़ रहा है। इस घटना के बाद लोकल अधिकारियों ने जांच शुरू की थी और तीनों लड़के जिनकी उम्र 12 से 14 साल के बीच है को गिरफ्तार किया। फ्रांस में यहूदी समुदाय के खिलाफ बढ़ती हिंसा को लेकर चिंता जताई जा रही है। फ्रांस सरकार के मुताबिक, 2024 में फ्रांस में कुल 1,570 यहूदी विरोधी घटनाएं दर्ज की गई।

डोनाल्ड ट्रम्प के रिश्तों पर विदेशमंत्री की टिप्पणी

हर रिश्ते को मजबूत करना है जो देशहित में हो : जयशंकर

न्यूयॉर्क ● एजेंसी

टिप्पणी

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ भारत के संबंधों पर सवालों का जवाब देते हुए स्पष्ट किया कि भारत का ध्यान व्यक्तियों पर नहीं, बल्कि राष्ट्रीय हितों को बढ़ावा देने पर केंद्रित है। जयशंकर ने कहा है कि भारत का उद्देश्य हर उस रिश्ते को आगे बढ़ाना है जो देश के हित में हो। उन्होंने कहा कि इस लिहाज से अमेरिका के साथ संबंध भारत के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने यह भी साफ कर दिया कि यह किसी एक व्यक्ति या राष्ट्रपति पर आधारित नहीं है। यूरोप की यात्रा पर गए विदेश मंत्री से पूछा गया कि क्या भारत डोनाल्ड ट्रंप पर भरोसा करता है? यूरएक्टिव को दिए एक इंटरव्यू में जयशंकर कहा मैं दुनिया को जैसा है, वैसा ही स्वीकार करता हूं। हमारा लक्ष्य उन सभी संबंधों को मजबूत करना है जो भारत के हित में हों- और अमेरिका के साथ संबंध हमारे लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। यह किसी 'व्यक्ति X' या 'राष्ट्रपति Y' की बात नहीं है।" जयशंकर का यह बयान ऐसे समय में आया है जब भारत और ट्रंप प्रशासन के

बीच पाकिस्तान द्वारा समर्थित सीमा पार आतंकवाद जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर मतभेद सामने आए हैं।

आतंकवाद पर यूरोप को चेतावनी- जयशंकर ने यूरोपीय देशों को आगाह करते हुए कहा कि यदि वे आतंकवाद की अनदेखी करते हैं तो यह एक दिन उन्हें भी परेशान करेगा। उन्होंने कहा मैं चाहता हूं कि दुनिया समझे- यह केवल भारत-पाकिस्तान का मामला नहीं है। यह आतंकवाद का मामला है। और यही आतंकवाद एक दिन आपकी ओर भी लौटेगा।

ओसामा बिन लादेन का जिक्र

पहलगाम आतंकी हमले के बाद जवाबी कार्रवाई करते हुए चलाए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' के लगभग एक महीने बाद यूरोप की यात्रा पर गए जयशंकर ने कहा मैं आपको एक बात याद दिलाना चाहता हूं कि ओसामा बिन लादेन नाम का एक आदमी था। वह पाकिस्तान के एक सैन्य छावनी वाले शहर में वर्षों तक सुरक्षित क्यों महसूस करता था?'' वह भारत और पाकिस्तान के बीच हाल ही में हुए चार-दिवसीय संघर्ष को लेकर पूछे गए एक प्रश्न का उत्तर दे रहे थे। ऑपरेशन सिंदूर' को परमाणु हथियार वाले दो पड़ोसियों के बीच प्रतिशोध के रूप में पेश करने के लिए अंतरराष्ट्रीय मीडिया की आलोचना करते हुए उन्होंने कहा, ''मैं चाहता हूं कि दुनिया समझे कि यह केवल भारत-पाकिस्तान का मुद्दा नहीं है। यह आतंकवाद के बारे में है, और यही आतंकवाद अंततः आपको (पश्चिमी देशों को) भी परेशान करेगा।

रूस पर सवाल उठाने वालों को जवाब

यूरोप की ओर से भारत-रुस संबंधों पर उठाए जा रहे सवालों पर भी विदेश मंत्री ने तीखा जवाब दिया। जब उनसे पूछा गया कि रुस के खिलाफ पश्चिमी देशों द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों में भारत शामिल क्यों नहीं हुआ, तो जयशंकर ने कहा कि मतभेदों को युद्ध के जरिए नहीं सुलझाया जा सकता। उन्होंने कहा, ''हम नहीं मानते कि मतभेदों को युद्ध के जरिए सुलझाया जा सकता है, हम नहीं मानते कि युद्ध के मैदान से कोई समाधान निकलेगा। यह तय करना हमारा काम नहीं है कि वह समाधान क्या होना चाहिए।'' जयशंकर ने कहा कि भारत के केवल रुस के साथ ही नहीं बल्कि यूक्रेन के साथ भी मजबूत संबंध हैं। उन्होंने कहा, ''लेकिन हर देश, स्वाभाविक रुप से, अपने अनुभव, इतिहास और हितों पर विचार करता है।'' उन्होंने कहा, ''भारत की सबसे पुरानी शिकायत है कि स्वतंत्रता के कुछ ही महीनों बाद हमारी सीमाओं का उल्लंघन किया गया, जब पाकिस्तान ने कश्मीर में घुसपैठियों को भेजा। और कौन से देश इसका सबसे अधिक समर्थन करते थे? पश्चिमी देश।'' उन्होंने कहा, ''यदि वही देश- जो उस समय टालमटोल कर रहे थे या चुप थे- अब कहते हैं कि 'आइए अंतरराष्ट्रीय सिद्धांतों के बारे में सार्थक चर्चा करें', तो मुझे पूरा हक है कि मैं उन्हें उनके अतीत पर विचार करने को कहूं।''चीन और डेटा सुरक्षा पर भी रखी बातचीन को लेकर पूछे गए एक सवाल पर जयशंकर ने बताया कि कई यूरोपीय कंपनियां अब भारत में अपने निवेश को लेकर सक्रिय हैं।

छह जून को त्रियुंड ट्रैक पर निकला, वापस नहीं लौटा

हिमाचल में लापता इजराइली टूरिस्ट का सुराग नहीं, सर्च ऑपरेशन जारी

धर्मशाला ● एजेंसी

हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला के त्रियुंड-स्नोलाइन ट्रैक से लापता इजरायली टूरिस्ट सैमुअल वेंगरिनोविच (उम्र 35 से 40 वर्ष) का आज भी सुराग नहीं लग पाया है। रेस्क्यू टीमें बीते दो दिन से ही उनकी तलाशी में लगी हुई हैं। सैमुअल बीते 6 जून से लापता है। एसडीआरएफ के डीएसपी सुनील राणा ने बताया कि रेस्क्यू टीम इंद्रहार पास और अन्य दुर्गम क्षेत्रों में सर्च ऑपरेशन चला रही है। सैमुअल के साथी एडिब्लम द्वारा बताई गई लोकेशन पर भी तलाशी ली गई। लेकिन अभी तक सैमुअल वेंगरिनोविच के संबंध में कोई जानकारी नहीं मिली है।

नई दिल्ली स्थित इजराइली दूतावास को इस घटना की आधिकारिक सूचना दे दी गई है। अधिकारी दूतावास के साथ मिलकर सैमुअल के परिवार को मदद और जानकारी प्रदान कर रहे हैं। दरअसल, सैमुअल वेंगरिनोविच बीते 6 जून को अपने दोस्तों के साथ त्रियुंड ट्रैक पर निकले थे। मगर, वह शाम को वापस नहीं लौटे। बीते सोमवार को उनकी साथी एडिबलम ने मैक्लोडगंज पुलिस को दी थी। इसके बाद स्थानीय प्रशासन ने टीमें बनाकर सर्च ऑपरेशन शुरू किया। एडिबलम ने पुलिस को बताया कि 5 लोग हिमाचल की यात्रा पर आए थे। मगर, सैमुअल वेंगरिनोविच ट्रेकिंग के वक्त कहीं खो गए हैं। पुलिस, एसडीआरएफ और डीडीएमए की टीमें सर्च ऑपरेशन चला रही है।

सुरक्षा में चूक – यह घटना हिमालय क्षेत्र में ट्रेकिंग करने वाले पर्यटकों के लिए सुरक्षा सावधानियों के महत्व को उजागर करती है। प्रशासन ने सभी ट्रेकर्स से अनुरोध किया है कि वे यात्रा से पहले स्थानीय पुलिस में पंजीकरण कराएं और स्थानीय अधिकारियों द्वारा जारी सुरक्षा निर्देशों का कड़ाई से पालन करें। पहाड़ियों का अनिश्चित और जोखिम भरा भूगोल यात्रियों के लिए अत्यंत चुनौतीपूर्ण हो सकता है।

अमेरिका हिंसा- चोरी हुए आईफोन चोरों को दे रहे चेतावनी

कृपया फोन वापस करें, खुद लॉक हो गए फोन

लॉस एंजिलिस ● एजेंसी

चेतावनी

अमेरिका के लॉस एंजिलिस शहर में हाल ही में हुई हिंसक झड़पों और दंगों के दौरान उपद्रवियों ने एपल स्टोर से बड़ी संख्या में आईफोन चोरी किए। लेकिन अब ये चोरी किए गए आईफोन खुद से चेतावनी देने लग गए हैं। इन फोन्स की स्क्रीन पर लिखा आ रहा है 'कृपया फोन एपल स्टोर में वापस करें। यह डिवाइस लॉक कर दी गई है और ट्रैक हो रही है। स्थानीय पुलिस को सूचित किया जा रहा है" यह घटना लॉस एंजेलिस के डाउनटाउन इलाके में हुई। जहां अप्रवासियों पर हो रही कार्रवाई के खिलाफ प्रदर्शन शुरू हुआ था। लेकिन कुछ ही घंटों में प्रदर्शन हिंसक हो गया और दुकानों में तोड़फोड़ और लूटपाट शुरू हो गई।

एपल के फीचर्स से चोरी होते ही फोन हो गया बेकार

एपल ने पहले से ही अपने स्टोर्स में रखे डेमो आईफोन्स में खास सॉफ्टवेयर इंस्टॉल कर रखा है। ये सॉफ्टवेयर फोन चोरी होते ही उसे लॉक कर देता है, ट्रैक करने लगता है और एक चेतावनी संदेश दिखाता है। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक, एपल ने यह सुरक्षा फीचर सिर्फ स्टोर में रखे डेमो फोनों के लिए बनाया है। यह फीचर आम ग्राहकों के फोन में नहीं होता है। एपल इस तकनीक को सालों से इस्तेमाल कर रहा है ताकि स्टोर से चोरी रोकी जा सके। जैसे ही कोई डेमो फोन स्टोर से बाहर ले जाया जाता है, वह खुद-ब-खुद लॉक हो जाता है और ट्रैकिंग चालू हो जाती है। सोशल मीडिया पर इन फोन्स की चोरी से जुड़े कई वीडियो वायरल हैं। इनमें कुछ लोगों ने एपल स्टोर से फोन चुराए, लेकिन फोन चालू करते ही स्क्रीन पर चेतावनी दिखने लगी और फोन काम करना बंद कर गया।

उपद्रवियों ने कई दुकानों में चोरी और लूटपाट की

अवैध प्रवासियों के खिलाफ चल रही कार्रवाई के विरोध में चोरी और लूटपाट की घटनाएं लगातार सामने आई हैं। मंगलवार को नकाबपोश दंगाइयों ने एक मॉल में स्थित जारा स्टोर में तोड़फोड़ और लूटपाट की। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में लोग जारा स्टोर के दरवाजे तोड़कर अंदर घुसते और सामान लूटते दिखे। एक अन्य वीडियो में कुछ उपद्रवी एडिडास स्टोर, फार्मेसियां, मारिजुआना दुकानें और ज्वेलरी शॉप्स में भी तोड़फोड़ करते दिख रहे हैं। लॉस एंजिलिस पुलिस डिपार्टमेंट के अधिकारी क्रिस मिलर ने बताया- एक महिला को एपल स्टोर में चोरी करते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक - दीपक बुड़ाना द्वारा चैतन्य लोक ग्राफिक्स, एलयूएन-22, सेक्टर-एफ इंडस्ट्रियल एरिया, सांवेर रोड इंदौर (मध्यप्रदेश) से मुद्रित एवं 66 बी शुभम पैलेस, छोटा बांगड़दा रोड इंदौर से प्रकाशित।

संपादक- दीपक बुड़ाना, आर.एन.आई. नबंर - MPHIN/2014/56594 (सभी विवादों का न्यायलय क्षेत्र इंदौर रहेगा)